लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

19 अक्टूबर 2026 सोमवार
वर्ष : 19 अंकः 108
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्यः 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth
हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep
www.lokhastakshep.com

कोलकाता भगदड़ में 19 की मौत मामले में 7 गिरफ्तार, अमित शाह घायलों से मिले

एजेंसी,कोलकाता। कोलकाता के उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम महा सप्तमी पर बारिश के बीच भीड़ बढ़ने से मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई और 25 घायल हो गए। हादसे के बाद कोलकाता पुलिस ने पंडाल में मची भगदड़ के सिलसिले में आयोजकों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घटना की जांच कलकत्ता हाईकोर्ट के मौजूदा जज की अध्यक्षता में एसआईटी से कराने और मृतकों के परिवार को 25–25 लाख व ग्रुप–डी नौकरी देने का ऐलान किया है। साथ ही प्रमुख पंडालों की सुरक्षा समीक्षा के लिए प्रधान सचिव राजेश सिन्हा, डीजी अनुज शर्मा और एडीजी जावेद शमीम की

उच्चस्तरीय समिति गठित की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने सभी पूजा कार्यक्रम स्थगित कर रविवार को कोलकाता मेडिकल कॉलेज में घायलों से मिले। शनिवार शाम महा सप्तमी के दिन बारिश के बीच अचानक भीड़ बढ़ने के कारण उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ मच गई थी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इससे पहले कहा था कि घटना की जांच कलकत्ता हाई कोर्ट के एक मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला विशेष जांच दल (एसआईटी) करेगा। उन्होंने कहा कि एसआईटी में विशेष कार्य बल (एसटीएफ), अपराध जांच विभाग (सीआईडी) और अन्य विभागों के सदस्य शामिल होंगे। कोलकाता पुलिस के श्एंटी–राउडी सेक्शन (एआरएस) ने घटना के समय के सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए हैं। अधिकारी ने कहा, श्हम फुटेज की जांच करेंगे और भीड़ को नियंत्रित करने में नाकाम रहने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे। वह कोई भी हो सकता है.. पूजा समिति का कोई सदस्य, होमगार्ड, अस्थायी कर्मचारी, पुलिसकर्मी या किसी निजी कंपनी का कोई सुरक्षा गार्ड हो सकता है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि समिति में आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव राजेश सिन्हा, अग्निशमन सेवा के महानिदेशक अनुज शर्मा और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून–व्यवस्था) जावेद शमीम शामिल होंगे।

हर्ष मल्होत्रा ने यमुना घाट सफाई में लिया हिस्सा यमुना प्रदूषण को लेकर केजरीवाल की आलोचना

एजेंसी,नयी दिल्ली । दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को यमुना घाट पर सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान वह नदी की सफाई के लिए कोई ठोस योजना नहीं बना पाई।

हर्ष मल्होत्रा ने समाचार एजेंसी को बताया कि दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी से होकर बहने वाली यमुना के 33 किलोमीटर के हिस्से को साफ करने की योजना तैयार की है। उन्होंने कहा, दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद, रेखा जी के नेतृत्व वाली सरकार ने दिल्ली से होकर बहने वाली यमुना नदी के 33 किलोमीटर के हिस्से को

साफ करने की योजना बनाई। केजरीवाल के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने यमुना के नाम पर सिर्फ राजनीति की और लोगों को यह भरोसा दिलाकर गुमराह किया कि वे इसे साफ कर देंगे। पिछली सरकार पर अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए मल्होत्रा ध्ने कहा कि लोगों को भरोसा दिलाया गया था कि नदी को साफ किया जाएगा, लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा, लोग उनकी बातों में आ गए, लेकिन जब पांच साल बाद भी यमुना साफ नहीं हुई, तो उन्होंने माफी मांगी और अगले पांच साल में इसे साफ करने का वादा किया। जब वह समय आया, तो उन्होंने फिर वही काम किया, क्योंकि उन्होंने कभी इसके लिए कोई योजना बनाई ही नहीं थी। हर्ष मल्होत्रा ने पिछली दिल्ली सरकार की ओर से नदी की सफाई के लिए केंद्र से मिले फंड के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए।

मंदिरों में दुर्गा महाष्टमी पर भक्तों की भीड़,मां बाराही देवी मंदिर में लंबी लाइन

गोण्डा,संवाददाता। जिले में आज रविवार को सुबह 5 बजे से ही शारदीय नवरात्रि के दुर्गा महाष्टमी के अवसर पर जिले के सभी देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ लगी हुई है लोग पहुंच करके आज शारदीय नवरात्रि के आठवें दिन मां महागौरी की पूजा अर्चना करके उनका आशीर्वाद ले रहे हैं। जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर मुकुंदपुर में स्थित 34वीं शक्तिपीठ मां बाराही देवी मंदिर पर सुबह 5.00 से ही भक्तों की भारी भीड़ लगी हुई है। काफी संख्या में लोग यहां पर पहुंच करके मां बाराही देवी की पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद ले रहे हैं। यहां पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं लगभग 1 किलोमीटर तक लंबी लोगों की मंदिर परिसर से लेकर के और सड़क तक काफी लाइन लगी हुई है।

सीएम ने दी महाष्टमी एवं महानवमी पर हार्दिक बधाई

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि की महाष्टमी एवं महानवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने माँ भगवती से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि में माँ दुर्गा की आराधना मातृशक्ति के प्रति सनातन परम्परा के सम्मान और आस्था का प्रतीक है। महाष्टमी और महानवमी के अवसर पर भक्तगण विधि–विधान से कन्या पूजन कर मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। नवरात्रि का पर्व हमें शक्ति की उपासना के साथ सेवा, साधना, संयम और लोककल्याण की भावना को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

ग्वालियर के दुखद हादसे पर पीएम मोदी ने जताया शोक

एजेंसी,ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुए हादसे पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने रविवार को कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को दो– दो लाख रुपये और घायलों को 50–50 हजार रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुए हादसे में लोगों के मारे जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

साकेत धाम रामलीला में आज होगा भगवान श्रीराम के जन्म का भव्य मंचन, गूंजेगा जय श्रीराम का जयघोष

154वें श्रीरामोत्सव में रामजन्म और महर्षि विश्वामित्र के आगमन की लीला का होगा मंचन, वृंदावन के कलाकार प्रस्तुत करेंगे मनोहारी प्रसंग

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। साकेत धाम रामलीला मैदान में आयोजित 154वें ऐतिहासिक श्रीरामोत्सव में रविवार को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव और महर्षि विश्वामित्र के आगमन की पावन लीला का भव्य मंचन किया जाएगा। वृंदावन धाम के कलाकारों की मनोहारी प्रस्तुतियों के बीच रामभक्तों को प्रभु श्रीराम की दिव्य लीलाओं के दर्शन होंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। श्री रामलीला कमेटी (रजि.), उन्नाव के तत्वावधान में चल रहे श्रीरामोत्सव में प्रतिदिन भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों का मंचन किया जा रहा है। रविवार को रामजन्म की मंगलमयी लीला के माध्यम से

रामभक्तों को भक्ति और श्रद्धा के भाव से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही महर्षि विश्वामित्र के आगमन का प्रसंग भी मंचित होगा, जो रामकथा को एक महत्वपूर्ण पड़ाव की ओर ले जाता है।

भगवान श्रीराम के जन्म का प्रसंग रामलीला के सबसे भावपूर्ण और महत्वपूर्ण दृश्यों में शामिल है। यह प्रसंग धर्म, मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन के मूल्यों का संदेश देता है। वहीं, महर्षि विश्वामित्र के आगमन की लीला भगवान श्रीराम के जीवन में उनके कर्तव्य और धर्म की रक्षा के संकल्प की भूमिका को दर्शाती है। वृंदावन के कलाकार अपने अभिनय और आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से इन प्रसंगों को जीवंत करेंगे।

श्री रामलीला कमेटी ने जनपद उन्नाव सहित आसपास के क्षेत्रों के धर्मप्रेमी नागरिकों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में साकेत धाम रामलीला मैदान पहुंचकर प्रभु श्रीराम की लीलाओं का दर्शन करने की अपील की है। कमेटी का उद्देश्य रामलीला की ऐतिहासिक परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ ही नई पीढ़ी तक भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और भगवान श्रीराम के आदर्शों का संदेश पहुंचाना है।

इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष संजय राठी, कोषाध्यक्ष जगदीश माहेश्वरी, संरक्षक सुभाष गुप्ता, प्रबंधक संजीव गुप्ता उर्फ राजा, उप प्रबंधक इंदु प्रकाश अवस्थी, जगन्नाथ यात्रा समिति के अध्यक्ष राम प्रकाश चौरसिया, पूर्व पालिकाध्यक्ष राम चन्द्र गुप्ता, विशाल गुप्ता, राजीव भारती, कौशल किशोर यादव, सुनील मिश्रा, अनूप मिश्रा, श्यामजी गुप्ता और नीतीश श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य लोगों ने श्रद्धालुओं से रामलीला मैदान पहुंचने का आह्वान किया। वहीं, मीडिया प्रमुख डॉ. मनीष सेंगर ने वार्ता का संचालन करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाले मनचले के घर पहुंची पुलिस

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। खीरी थाना क्षेत्र के कस्बा ओयल स्थित युवराज दत्त (वाईडी) कॉलेज परिसर में छात्राओं से छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। कॉलेज के एक शिक्षक की सजगता के चलते मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के घर दबिश देकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ओयल वाईडी कॉलेज परिसर में एक युवक द्वारा कॉलेज आ रही छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार और अश्लील हरकतें की जा रही थीं। छात्राओं की परेशानी को देखते हुए कॉलेज के शिक्षक संदीप वर्मा ने मुस्तैदी दिखाई और तुरंत यूपी डायल 112 को फोन कर मामले की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही पीआरवी वाहन तत्काल मौके पर पहुंच गया। इसके बाद स्थानीय ओयल चौकी पुलिस को भी घटना से अवगत कराया गया। छात्राओं द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की शिनाख्त की। आरोपी की पहचान ओयल बगिया मोहल्ला निवासी आकाश पुत्र नंदकिशोर के रूप में हुई है।

चौकी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी आकाश के घर पर दबिश दी और उसके परिजनों व आस–पास के लोगों से पूछताछ की। खीरी थाना पुलिस के अनुसार, छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मामला होने के कारण इसे पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस घटना के बाद कॉलेज परिसर और आस–पास के क्षेत्रों में पुलिस की सतर्कता बढ़ा दी गई है।

अपराधियों ने हाथों में तख्तियां ले लिया नारी सम्मान का संकल्प

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान शमिशन शक्तिश के तहत उन्नाव पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। जिले के एक स्थानीय थाने में पुलिस ने एक अनूठी और कड़क कार्रवाई करते हुए 68 चिन्हित अपराधियों की क्लास लगाई। पुलिस की इस सख्त हिदायत के बाद अपराधियों ने हाथों में तख्तियां लेकर भविष्य में अपराध से तौबा करने और नारी शक्ति के सम्मान का संकल्प लिया।

अपराध नहीं करेंगे अपराधियों ने खाई कसम

थाने परिसर में बुलाए गए सभी 68 अपराधियों के हाथों में पुलिस द्वारा दी गई तख्तियां थीं, जिन पर समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने और महिलाओं का आदर करने के नारे लिखे थे। अपराधियों ने एक सुर में अपनी जुबां से संकल्प दोहरायाकृ ष्नारी शक्ति का सम्मान करेंगे, अब कोई अपराध नहीं करेंगे।ष पुलिस की इस मनोवैज्ञानिक और सुधारात्मक कार्रवाई की इलाके में काफी चर्चा हो रही है।

इस दौरान थाना प्रभारी सुब्रत नारायण त्रिपाठी का अंदाज बेहद कड़ा और मुखर नजर आया। उन्होंने अपराधियों को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा, ष्नारी का सम्मान सर्वोपरि है और महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।ष उन्होंने हिदायत दी कि यदि किसी ने भी दोबारा अपराध की राह पर कदम बढ़ाने की कोशिश की, तो पुलिस की अगली कार्रवाई उनके लिए मिसाल बन जाएगी। कानून तोड़ने वाले और महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ करने वाले किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे।

भयमुक्त माहौल बनाना है पुलिस का लक्ष्य

थाना प्रभारी ने बताया कि मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य केवल अपराधियों पर कानूनी कार्रवाई करना ही नहीं है, बल्कि समाज में एक ऐसा सुरक्षित माहौल तैयार करना है जहाँ महिलाएँ और बेटियाँ पूरी तरह भयमुक्त महसूस कर सकें। पुलिस का संदेश साफ हैकृ हर नागरिक को नारी सम्मान की जिम्मेदारी समझनी होगी, कानून का पालन करना होगा और अपराध से दूर रहना होगा।

दहेज हत्या में कोर्ट ने पति, जेठ और सास को सुनाई उम्रकैद, 25–25 हजार रुपये का जुर्माना

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। दहेज की खातिर एक विवाहिता को जिंदा जलाकर मार डालने के 16 साल पुराने सनसनीखेज मामले में अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। अपर जिला जज (।क्श्र) रेनू सिंह की अदालत ने मृतका के पति शिवगोविंद, जेठ धर्मेंद्र और सास मीरा देवी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने तीनों दोषियों पर 25–25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सजा सुनाए जाने के तुरंत बाद तीनों को कस्टडी में लेकर जेल भेज दिया गया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, खीरी थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव निवासी मनीष कुमार अवस्थी ने अपनी बहन गीता का विवाह 25 फरवरी 2006 को फरधान थाना क्षेत्र के लौकी गांव निवासी शिवगोविंद के साथ किया था। शादी के बाद से ही ससुराल वाले कम दहेज का ताना देकर गीता को प्रताड़ित करने लगे थे। आरोपी लगातार 1 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे थे, जिसे पूरा करने में मृतका का परिवार असमर्थ था।

मांग पूरी न होने से नाराज आरोपियों ने 26 फरवरी 2010 को गीता को आग के हवाले कर दिया। गंभीर रूप से झुलसी गीता ने अगले दिन लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस मामले में मृतका के भाई मनीष की तहरीर पर फरधान थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पुलिस द्वारा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद मामले की पैरवी अपर जिला सरकारी अधिवक्ता (।क्ळब्) कपिल कटियार ने की। अभियोजन पक्ष ने अदालत के सामने पुख्ता गवाह और चिकित्सीय साक्ष्य पेश किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली पर मौजूद साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद, एडीजे रेनू सिंह ने तीनों आरोपियों को मृतका की हत्या और दहेज उत्पीड़न का दोषी पाया और उन्हें उम्रकैद की सजा से दंडित किया। इस फैसले के बाद मृतका के परिवार ने न्याय मिलने पर राहत जताई है।

कानपुर के प्रख्यात आर्थो सर्जन डॉ. गोविंद त्रिवेदी व डॉ. शिवांश त्रिवेदी ने सैकड़ों मरीजों को दिया निःशुल्क परामर्श

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव । जनता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, इसी श्सेवा ही संकल्पश के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए भारतीय जनता पार्टी के के विशेष संयोजन में रविवार को उनके आईबी.पी. स्थित कैम्प कार्यालय में एक वृहद निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य रूप से कानपुर के विख्यात वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ (आर्थो सर्जन) डॉ. गोविंद त्रिवेदी एवं उनके सुपुत्र आर्थो रोबोटिक सर्जन डॉ. शिवांश त्रिवेदी ने उपस्थित रहकर सैकड़ों जनपदवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श दिया तथा भविष्य में होने वाली गंभीर बीमारियों से बचाव की महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। शिविर के दौरान दवा कंपनियों के सहयोग से जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।

नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर आयोजित इस शिविर का विधिवत शुभारंभ 10 वर्षीय कन्या पीहू तिवारी का स्वास्थ्य परीक्षण कर, उसे परामर्श व दवाएं देकर किया गया। इससे पूर्व सदर विधायक पंकज गुप्ता ने वरिष्ठ सर्जन डॉ. गोविंद त्रिवेदी एवं डॉ. शिवांश त्रिवेदी का अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा माँ दुर्गा का पावन विग्रह भेंटकर आत्मीय स्वागत व सम्मान किया। डॉ. गोविंद त्रिवेदी ने विधायक पंकज गुप्ता के इस जनसेवा अभियान की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि, ष्मेरा सदैव यही प्रयास रहता है कि जनपद के प्रत्येक नागरिक को आधुनिक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उनके घर के समीप ही सुलभ हों। इसी कड़ी मेंयह शिविर आयोजित किया गया है और जनसेवा का यह क्रम आगे भी निरंतर जारी रहेगा।ष उन्होंने बताया कि इस वर्ष उनके जन्मदिवस की पूर्व संध्या से ही उन्नाव आवास विकास कॉलोनी स्थित वेदांता हेल्थकेयर क्लीनिक के प्रबंधक मयंक बाजपेई एवं वरिष्ठ पत्रकार प्राचीन्द्र मिश्रा के संयुक्त तत्वावधान मेंइस स्वास्थ्य सेवा अभियान का शुभारंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि आज हमारे एक आग्रह पर कानपुर के विख्यात सर्जन डॉ. गोविंद त्रिवेदी ने जनपदवासियों के लिए अपना अमूल्य समय देकर शिविर में भाग लिया, जो पूरे उन्नाव के लिए गर्व का विषय है। शिविर के दौरान मुख्य रूप से विधायक पुत्र प्रखर गुप्ता, उनकी पत्नी रश्मि गुप्ता, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, सभासद ब्रजेश पांडे, विधायक प्रतिनिधि प्रदीप सिंह चौहान, रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष अमित मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार प्राचीन्द्र मिश्रा सहित भारी संख्या में नागरिक व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उन्नाव में गरबा-डांडिया आयोजनों पर उठे सवाल

टिकट से लेकर स्टॉल तक का हिसाब, सुरक्षा और टैक्स अनुपालन की हो जांच

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव । नवरात्र और दशहरा के अवसर पर गरबा–डांडिया जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर उत्साह है। शहर के स्कूलों में डांडिया उत्सव आयोजित होने की खबरें सामने आई हैं। वहीं, उन्नाव के श्रीरामलीला महोत्सव के कार्यक्रमों में भी डांडिया आयोजन का उल्लेख किया गया है। हालांकि, बड़े व्यावसायिक गरबा आयोजन के टिकट, आयोजक और स्थल से जुड़ी पूरी जानकारी की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। इस बीच लखनऊ में आयोजित गरबा गाला 4.0 के स्टॉल बुक कराने वाले कुछ लोगों की ओर से धोखाधड़ी के आरोप लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। आरोप है कि स्टॉल बुकिंग के नाम पर 25 हजार से लेकर लाखों रुपये तक लिए गए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि, कुल रकम और किसी पुलिस शिकायत की स्थिति स्पष्ट नहीं है। यह मामला फिलहाल आरोपों के स्तर पर है।

टिकट, ड्रेस और फूड स्टॉल से होने वाली कमाई पर नजर जरूरी

गरबा–डांडिया कार्यक्रम अब केवल सांस्कृतिक आयोजन तक सीमित नहीं रह गए हैं। कई जगह टिकट, वीआईपी पास, डांडिया स्टिक, पारंपरिक परिधान, खानपान के स्टॉल, प्रायोजन, लाइटिंग, साउंड सिस्टम और डीजे जैसी व्यवस्थाओं के जरिए व्यावसायिक गतिविधियां भी होती हैं।

ऐसे आयोजनों में आयोजकों की जिम्मेदारी केवल कार्यक्रम संपन्न कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। टिकट बिक्री और स्टॉल बुकिंग का रिकॉर्ड, भुगतान की रसीदें, विक्रेताओं के साथ लिखित समझौते तथा लागू कर नियमों का पालन भी महत्वपूर्ण है।

उन्नाव में यदि ऐसे व्यावसायिक आयोजन हो रहे हैं, तो संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आयोजक लागू जीएसटी और अन्य कर संबंधी नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। केवल टिकट बिक्री या नकद भुगतान होने से कर चोरी साबित नहीं होतीय इसके लिए लेनदेन और अभिलेखों की जांच आवश्यक है।

भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी?

गरबा और डांडिया में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां, परिवार और युवा हिस्सा लेते हैं। ऐसे में प्रवेश नियंत्रण, पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी, आपातकालीन निकास, पार्किंग और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित होनी चाहिए।

आयोजकों को प्रवेश के स्पष्ट नियम बनाने चाहिए और सभी प्रतिभागियों के लिए समान सुरक्षा मानक लागू करने चाहिए। किसी भी व्यक्ति की धार्मिक पहचान के आधार पर आशंका जताने के बजाय प्रवेश सत्यापन, अनुशासन, छेड़छाड़ रोकने के उपाय और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई को प्राथमिकता देना जरूरी है।

यदि किसी कार्यक्रम में छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार या महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी शिकायत आती है, तो आयोजकों और पुलिस को निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई करनी चाहिए। किसी संभावित घटना को पहले से घटित तथ्य की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

प्रशासन करे जांच, आयोजक भी दें स्पष्ट जानकारी

जिले में यदि बड़े टिकट आधारित गरबा–डांडिया कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, तो प्रशासन और संबंधित विभाग आयोजन स्थल की अनुमति, अग्नि सुरक्षा, भीड़ की क्षमता, पार्किंग, ध्वनि संबंधी नियमों और अन्य लागू शर्तों की जांच कर सकते हैं। कर संबंधी मामलों को संबंधित कर विभाग के अधिकार क्षेत्र में देखा जाना चाहिए।आयोजकों को भी टिकट की कीमत, स्टॉल बुकिंग की शर्तें, रिफंड नीति, सुरक्षा व्यवस्था और शिकायत दर्ज कराने के माध्यम की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। सवाल गरबा या डांडिया आयोजन पर रोक लगाने का नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का है। सांस्कृतिक उत्सव सुरक्षित माहौल में हों, प्रतिभागियों के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार न हो और व्यावसायिक गतिविधियां कानून के दायरे में रहेंकृ यह आयोजकों और प्रशासन, दोनों की जिम्मेदारी है।

(संपादकीय टिप्पणी :उन्नाव में किसी विशिष्ट गरबा आयोजक पर कर चोरी, धोखाधड़ी या सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाने के लिए ठोस दस्तावेज और स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।लखनऊ के गरबा गाला से संबंधित आरोपों को उन्नाव के आयोजनों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए)

आईआईटी बीएचयू में खुलेगा देश का पहला फिजिकल एआई स्कूल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू एआई को साइबर दुनिया से बाहर निकालकर वास्तविक परिस्थितियों में काम करने वाली मशीनों और स्वायत्त प्रणालियों से जोड़ेगा।इसके लिए संस्थान में स्कूल ऑफ फिजिकल एआई एंड ऑटोनोमस सिस्टम्स की स्थापना की जा रही है। यह देश का अपनी तरह का पहला स्कूल होगा। इसका उद्देश्य रोबोटिक्स, बुद्धिमान मशीनों और ऐसी तकनीकों को विकसित करने के लिए बहुविषयक शोध का वातावरण तैयार करना है, जो अपने आसपास के परिवेश को समझकर उसके अनुरूप काम कर सकें।

उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर अभी तक इस तरह का कार्य केवल चीन, जापान व कोरिया देशों में आरंभ किया गया है। अब आईआईटी बीएचयू के माध्यम से भारत ने भी इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। स्कूल परियोजना के समन्वयक संस्थान के निदेशक प्रो. अमित पात्रा के निर्देशन में व सह समन्वयक डीन शोध एवं विकास प्रो. आरके सिंह ने के नेतृत्व पूरी योजना तैयार की जा रही है। संयोजक एसोसिएट प्रो. डॉ. श्याम कमल ने बताया कि सामान्य एआई जहां मुख्य रूप से आंकड़ों, तस्वीरों, भाषा और डिजिटल सूचनाओं का विश्लेषण करती है, वहीं फिजिकल एआई ऐसी तकनीक है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता को रोबोट, सेंसर और भौतिक उपकरणों के साथ जोड़कर वास्तविक दुनिया में काम करने योग्य मशीनें तैयार की जाएंगी।

फिजिकल एआई का लक्ष्य मशीनों को अपने परिवेश को महसूस करने, परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने और उसके अनुरूप कार्रवाई करने में सक्षम बनाना है। डॉ. श्याम कमल ने बताया कि यह स्कूल संस्थान के निदेशक प्रो. पात्रा की परिकल्पना है। बीती 15 जुलाई को इसकी स्थापना की अधिसूचना जारी की गई थी। तीन दिन बाद ही 18 जुलाई को स्कूल के अध्यक्ष और समन्वय समिति के गठन की सूचना भी जारी हो गई।

उद्योग से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक संभावनाएं

स्थापित होने वाले स्कूल में व्याख्यान की जगह रोबोटिक्स, स्वायत्त प्रणालियों और एआई आधारित तकनीकों के विकास पर बल दिया जाएगा। ऐसी तकनीकों का उपयोग भविष्य में अंतरिक्ष शोध, औद्योगिक उत्पादन, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, मैटेरियल, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और कृषि आदि विभिन्न क्षेत्रों में स्वचालित मशीनों को आगे बढ़ाने में हो सकता है।

आईआईटी बीएचयू ने इस स्कूल की स्थापना का निर्णय ही नहीं लिया, बल्कि इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ा दिए हैं। स्कूल के लिए पाठ्यक्रम निर्धारण करने के साथ ही पाठ्यवस्तु का चयन करते हुए पुस्तकें भी तैयार हो रही हैं।

प्रो. श्याम कमल ने बताया कि पाठ्यक्रम निर्धारण समिति मे उनके सहित प्रो. रजनीश कुमार, प्रो. ओमजी पांडेय व प्रो. एसके सिंह चार लोग कोर समिति के सदस्य बनाए गए हैं तो विस्तारित समिति में संस्थान के 30 विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।

2027 से आरंभ हो जाएंगी कक्षाएं

लर्निंग बाय डूइंग (करके सीखने) और ज्ञात से अज्ञात की ओर पद्धति का यह पहला स्कूल होगा। स्कूल में अगले सत्र यानी 2027 से प्रवेश और पढ़ाई आरंभ हो जाएगी। पाठ्यक्रम चार वर्ष का होगा। यहां से विद्यार्थियों को बीटेक इन फिजिकल एआई आटोनामस सिस्टम में डिग्री मिलेगी। प्रवेश जेईई एडवांस्ड के माध्यम से होगा।

बैच में 30–60 विद्यार्थी रखे जा सकते हैं। छठें सत्र मे विद्यार्थियों को छह माह के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में प्रयोग के लिए भेजा जा सकता है। परीक्षा प्रणाली ओपेन बुक और मशीन प्रोजेक्ट आधारित होगी।

50 प्रतिशत अंक उत्पाद आधारित होंगे यानी प्रत्येक विद्यार्थी को कोई न कोई मशीन तैयार करना अनिवार्य होगा। इसके लिए एआई का पूरा कोर्स रि–डिजाइन्ड कर भौतिक रूप में बनाया जा रहा है।

स्कूल में सभी प्रयोगशालाएं भारतीय विज्ञानियों के नाम पर होंगी।

जिलाधिकारी ने गोरखनाथ तपोस्थली के निर्माण का निर्माण कार्य देखा

अमेठी,संवाददाता। जिले में जायस स्थित गुरु गोरखनाथ तपोस्थली के निर्माण कार्य में देरी पर जिलाधिकारी शशांक चौधरी ने नाराजगी जताई। रविवार दोपहर करीब ढाई बजे निरीक्षण के दौरान काम की धीमी रफ्तार मिलने पर उन्होंने प्रोजेक्ट मैनेजर मनोज शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने मजदूरों की संख्या बढ़ाकर निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। काम की रफ्तार संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तेजी से काम पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक स्थलों का विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे कार्यों में देरी, लापरवाही या खराब गुणवत्ता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुरु गोरखनाथ तपोस्थली का निर्माण उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से राज्य योजना के तहत कराया जा रहा है। परियोजना की कुल लागत 2391.89 लाख रुपये है। निर्माण कार्य मार्च 2023 में शुरू हुआ था और इसे सितंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना के तहत मुख्य प्रवेश द्वार, ओपन एयर थिएटर, प्रतिमा चबूतरा, बाउंड्री वॉल, सत्संग हॉल, शौचालय ब्लॉक और पेयजल सुविधा समेत कई कार्य कराए जाने हैं।

गंगा के ऊपर गरजेंगे 94 लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर

◆ नमो घाट पहुंची वायुसेना की टीमें, 22 से एयर शो

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'विंग्स ओवर गंगा' एयर शो की तैयारियां तेज हो गई हैं। 22, 24 और 25 अक्टूबर को होने वाले इस आयोजन में 94 लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर अपनी ताकत, सटीकता और हवाई कौशल का प्रदर्शन करेंगे। रविवार को वायुसेना के अधिकारियों और कर्मचारियों की दर्जनों नीली गाड़ियां नमो घाट पहुंचीं। टीमों ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों को अंतिम रूप देने की रणनीति बनाई। एयर शो को लेकर सुरक्षा, तकनीकी व्यवस्था और विमानों के प्रदर्शन से जुड़ी तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सैन्य अधिकारियों के अनुसार, तीनों दिन विमानों का प्रदर्शन दो शिफ्ट में कराने की तैयारी है। पहले प्रत्येक दिन करीब डेढ़ घंटे के प्रदर्शन की जानकारी सामने आई थी। अब दो शिफ्ट में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। इससे दर्शकों को अलग-अलग चरणों में हवाई करतब देखने का मौका मिलेगा।

एयर शो के सफल आयोजन के लिए वायुसेना की अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के साथ विमानों की उड़ान और प्रदर्शन से जुड़े तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। हवाई प्रदर्शन को सुरक्षित बनाने के लिए वायुसेना की तकनीकी टीम मालवीय पुल का अध्ययन कर रही है। पुल की लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई के आधार पर यह आकलन किया जा रहा है कि लड़ाकू विमान कितनी कम ऊंचाई पर उड़ान भर सकते हैं। इसके अलावा आसपास की ऊंची इमारतों का भी निरीक्षण किया गया है, ताकि हवाई करतब के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। एयर शो के दौरान नमो घाट पर वीवीआईपी के आवागमन को सुगम बनाने के लिए तीसरा रास्ता तैयार किया जा रहा है। कृष्णमूर्ति फाउंडेशन और राजघाट फोर्ट के मुख्य गेट के पास जेसीबी से खुदाई कर बोल्डर बिछाने का काम शुरू किया गया है। इसके जरिए आयोजन के दौरान आवाजाही को बेहतर बनाने की योजना है।

नमो घाट पर नीले रंग की गाड़ियां पहुंच चुकी हैं।

नमो घाट पर नीले रंग की गाड़ियां पहुंच चुकी हैं।

25 अक्टूबर को च्ड मोदी के आने की संभावना

एयर शो के अंतिम दिन यानी 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी पहुंचने की संभावना है। उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्रियों और कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के भी शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा तीनों सेनाओं के प्रमुखों की मौजूदगी भी प्रस्तावित है। हालांकि, प्रधानमंत्री और अन्य विशिष्ट अतिथियों के कार्यक्रम की अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने किया महर्षि वाल्मीकि प्राकट्योत्सव के पोस्टर का विमोचन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि के प्राकट्योत्सव पर राजधानी लखनऊ में आयोजित होने वाले भव्य समारोह के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों, ज्ञान और आदर्शों के प्रकाश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से समारोह की तैयारियों में जुटिए।

उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण के माध्यम से मर्यादा, धर्म, कर्तव्य, करुणा और आदर्श जीवन के शाश्वत संदेशों को समाज तक

पहुंचाया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि प्राकट्योत्सव का आयोजन भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है। उन्होंने आहवान किया कि आइए इस आयोजन में सहभागिता कर आदि कवि महर्षि वाल्मीकि के विचारो को जन जन तक पहुँचाने का संकल्प लें। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. राहुल कुमार वाल्मीकि, मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला, मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह एवं प्रदेश मीडिया सह संयोजक हिमांशु दुबे उपस्थित रहे।

सियाल फेयर पेरिस में यूपी की सहभागिता

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण और कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से राज्य का खाद्य प्रसंस्करण विभाग फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित सियाल फेयर, पेरिस 2026 में प्रतिभाग कर रहा है। 17 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक चलने वाले इस दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय खाद्य मेले के इंडिया पवेलियन में उत्तर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी लगाई गई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य आयोजन में उत्तर प्रदेश इंडिया पवेलियन में अनाज, ऑर्गेनिक फूड, स्नैक्स, फल, सब्जियां और नए फूड स्टार्टअप्स के बेहतरीन उत्पादों को दुनिया के सामने पेश किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दिशा निर्देशों में एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुदृढ़ और वैश्विक स्तर पर प्रभावकारी विदेश नीति के प्रेरणादायी पथ पर चलते हुए उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

बीएलएस इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया दशहरा, 18 फीट के रावण का दहन

लखनऊ,संवाददाता।

ठाकुरगंज स्थित बीएलएस इंटर कॉलेज में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. नीरज बोरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय श्री गंगा प्रसाद साहू की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद विद्यालय प्रबंधक संदीप साहू एवं डायरेक्टर प्रदीप साहू ने मुख्य अतिथि का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी और उनकी वानर सेना सहित रामायण के विभिन्न पात्रों के स्वरूप में नजर आए। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद विधायक डॉ. नीरज बोरा की उपस्थिति में 18 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। आतिशबाजी के बीच विद्यालय परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने विद्यार्थियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों से अच्छे संस्कार अपनाने, सत्य के मार्ग पर चलने और अपने भीतर की बुराइयों को दूर करने का आह्वान किया। विद्यालय प्रबंधक संदीप साहू ने दशहरा पर्व की महत्ता बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ते हैं। इस अवसर पर प्रबंधक संदीप साहू, डायरेक्टर प्रदीप साहू, प्रधानाचार्य रवि किशोर, उप प्रधानाचार्य रोमा जाफरी, रत्ना गुप्ता, उमा शर्मा सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डा. अभिषेक सिंह, मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के नेतृत्व में 55वें आईकान राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

लखनऊ,संवाददाता। मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ के डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में 55वें आईकान राष्ट्रीय मेडिकल ऑन्कोलॉजी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित तीन दिवसीय शैक्षणिक सम्मेलन 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक लखनऊ के हॉलिडे इन में आयोजित हो रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य कैंसर के निदान एवं उपचार में नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति, आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों और मरीजों की बेहतर देखभाल से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श को बढ़ावा देना है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से 250 से अधिक कैंसर विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के बाहर से आए लगभग 200 प्रतिष्ठित ऑन्कोलॉजिस्ट और राज्य के 50 से अधिक ऑन्कोलॉजिस्ट शामिल हैं। मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सहित कैंसर उपचार से संबंधित विभिन्न विशेषज्ञताओं के प्रतिनिधि। इस आयोजन के माध्यम से अपने अनुभव और नवीनतम वैज्ञानिक जानकारियाँ साझा कर रहे हैं। सम्मेलन के कार्यक्रम में मेदांता लखनऊ के डायरेक्टर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने कहा, "लखनऊ के लिए 55वें आईकान राष्ट्रीय सम्मेलन

की मेजबानी करना गौरव की बात है।

देशभर के प्रमुख ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञों की भागीदारी वैज्ञानिक सहयोग और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पद्धति के माध्यम से कैंसर देखभाल को आगे बढ़ाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अगले तीन दिनों के दौरान विशेषज्ञ प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी, इम्यूनोथेरेपी, आणविक निदान और कैंसर के बहुविषयक प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करेंगे। इन चर्चाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों के उपचार के परिणामों में सुधार करना है। "सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान, पैनल चर्चाएँ, बहुविषयक ट्यूमर बोर्ड, वाद-विवाद और संवादात्मक वैज्ञानिक सत्र शामिल हैं। इन सत्रों का उद्देश्य कैंसर के निदान एवं उपचार में हालिया प्रगति पर चर्चा करना और विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं के बीच वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देना है। मेदांता लखनऊ के नेतृत्व में आयोजित यह सम्मेलन कैंसर देखभाल के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोजन कैंसर के उपचार में नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति को अपनाने और मरीजों के उपचार परिणामों में सुधार लाने के लिए विशेषज्ञों के बीच ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

नाका थाना से 100 कदम आगे मौत के गड्ढे – नगर निगम जोन-2 की लापरवाही से रोज पलट रहे रिक्शा

संवाददाता

लखनऊ। नाका थाना पुल के नीचे, मंदिर के सामने सिंगल रोड पर गड्ढे बने हैं। कल एक ई-रिक्शा इन्हीं गड्ढों में पलट गया, तीन लोग गंभीर घायल। आज सुबह फिर उसी जगह रिक्शा पलटा, दो लोग घायल होकर अस्पताल पहुंचे।

मुख्यमंत्री के आदेश है कि प्रदेश म् गड्ढा-मुक्त सड़कें हों। नगर निगम के पास करोड़ों का बजट भी है, फिर भी नगर निगम जोन-2 सड़के खस्ताहाल है और अधिकारी कान में तेल डालकर बैठे है। बैटरी रिक्शा से गिरकर लोग सीधे अस्पताल पहुंच रहे हैं, पर अधिकारी सरकारी गाड़ी का डीजल फूंक कर AC में बैठे हैं। काम के नाम पर सिर्फ लापरवाही और जनता के साथ खिलवाड़।

22 अक्टूबर को लखनऊ में होगी अभिमुखीकरण एवं समीक्षा कार्यशाला

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विद्यालयी शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, सहभागिता और समावेशन के व्यापक आयामों से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। सरकार की मंशा विद्यालयों को ऐसा सशक्त शिक्षण परिवेश बनाने की है, जहां प्रत्येक विद्यार्थी को आगे बढ़ने के अवसर मिलें और उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप सहयोग उपलब्ध हो। इसी दृष्टि से विद्यांजलि, नशामुक्त विद्यालय और प्रशस्त 2.0 जैसे कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा और इनके प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने के लिए 22 अक्टूबर को लखनऊ में राज्यस्तरीय अभिमुखीकरण एवं समीक्षा कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विद्यालयों के विकास में जनसहभागिता, नशामुक्त वातावरण के प्रति जागरूकता और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी।

बाढ़ प्रभावित फैजुल्लागंज में 16वें दिन भी जारी रहा राहत अभियान, नारंगी टीम ने बांटा राशन और पेयजल

संवाददाता

लखनऊ। फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पानी घटने के बाद भी राहत एवं सहायता अभियान लगातार जारी है। इसीप क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा की नारंगी टीम ने आज 16वें दिन भी तिरंगा चौराहा एवं उससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री और पेयजल उपलब्ध कराया।

नारंगी टीम के कार्यकर्ताओं ने प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर राहत सामग्री वितरित की। क्षेत्रीय विधायक डॉ नीरज बोरा का कहना है कि टीम के माध्यम। से लगातार प्रयास किया जा रहा है कि बाढ़ के उपरांत प्रभावित लोगों को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो और उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत न हो। राहत वितरण अभियान में पूर्व पार्षद प्रदीप शुक्ला, सतीश वर्मा, शैलेन्द्र मौर्य, अनिल मिश्रा, गौरव अवस्थी, रामकिशोर चौबे, राघव सिंह, लक्ष्मी प्रकाश दीक्षित, शैलेन्द्र स्वर्णकार, सचिन गुप्ता, सोनू बाजपेयी, विशाल राजपूत सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

किसानों के बच्चों के लिए कृषि छात्रवृत्ति की सीटें दोगुनी

लखनऊ,संवाददाता। किसानों की अगली पीढ़ी को कृषि शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में योगी सरकार ने मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाया है। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की इस योजना के तहत छात्रवृत्ति की निर्धारित सीटों को दोगुना कर दिया गया है। विद्यार्थियों को मिलने वाली आर्थिक सहायता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इस विस्तार से प्रदेश के अधिक मेधावी किसान परिवारों को उच्च कृषि शिक्षा हासिल करने में मदद मिलेगी। पात्र विद्यार्थियों को अब सालाना 60 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

बैराज में नीट छात्र का उतराया मिला शव

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में रविवार को अचलीखेड़ा बैराज में नीट छात्र का शव उतराया मिला। वह दो दिन पहले शाम को घर से टहलने के लिए निकला था। इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में चल रहा था। आसपास के लोगों ने देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया और उसकी पहचान कराई। मृतक की शिनाख्त बीबीडी थाना क्षेत्र में आनंदी वाटर पार्क के पास रहने वाले अनुराग यादव (20) के रूप में हुई। शव मिलने के बाद परिजनों में चीख पुकार मच गई। पुलिस के मुताबिक, अनुराग के पिता मुन्नू सिंह यादव निवासी हरिओम सिटी, इंडियन गैस एजेंसी के पास, आनंदी वाटर पार्क ने बेटे के लापता होने की सूचना बीबीडी थाने में दर्ज कराई थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच रविवार को नगराम क्षेत्र से गुजरने वाली शारदा सहायक पोषक नहर के अचलीखेड़ा बैराज में एक युवक का शव मिलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही नगराम पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया।

इसके बाद परिजनों को बुलाकर शिनाख्त कराई गई। मुन्नू सिंह यादव ने शव की पहचान अपने बेटे अनुराग के रूप में की। पुलिस के मुताबिक, अनुराग दो दिन पहले शाम को घर से टहलने की बात कहकर घर से निकला था। पिता यूपी पुलिस में दीवान के पद पर कार्यरत बताए गए है। नगराम थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है।

कोलकाता हादसे के बाद यूपी में सख्ती

द्यद्ध,द्ग ह्वद्य द्ध3र्द्ध द्वड्डस्द्ध4 द्यह्द्ध6द्मद्म स्द्मह्य 4ह्यस्द्ध द्धठ्ठ, द्धह्वठ्ठर्ह्य%द्म

लखनऊ,संवाददाता।

कोलकाता के चोरबगान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ के दौरान 19 की मौत के बाद यूपी में भी सख्ती हो गई है। योगी सरकार दुर्गा पंडालों को लेकर सतर्क हो गई है। सीएम योगी ने दुर्गा पूजा पंडालों की सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सुरक्षा को और पुख्ता करने के निर्देश जारी किए हैं। सीएम ने अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा, एग्जिट प्वॉइंट, इमरजेंसी एग्जिट और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर निर्देश जारी किए हैं।सीएण ने जिलों के सभी पुलिस कमिश्नरों, जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को दुर्गा पंडालों में सुरक्षा के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। सीएम योगी ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी पंडालों में अग्निशमन

सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण करें। डीएम और एसपी को प्रवेश और निकास द्वारों की जांच के निर्देश दिये।इमरजेंसी एग्जिट के लिए पर्याप्त इंतजाम हों।

अधिकारियों को बिजली के कनेक्शनों की जांच करनी होगी। अधिकारियों को फील्ड में मौजूद रहना होगा। 21 अक्टूबर तक दुर्गा पूजा महोत्सव जारी है। इसके लिए शहरों में सैंकड़ों की संख्या में पंडाल लगे हैं। पंडालों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। इन पंडालों में डांडिया डांस, मेले, पूजा-दर्शन के अलावा कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में भीड़ रात में अत्यधिक हो जाती है। पुलिस और प्रशासन निर्देशानुसार भीड़ को नियंत्रित करने में लगी है। पुलिस-प्रशासन ने पूजा पंडालों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। अफसर निरीक्षण के लिए जमीन पर उतरे हैं।

गन्ने से बने इथेनॉल की अब नहीं होगी खरीद

लखनऊ,संवाददाता। चीनी की बढ़ती कीमतों और गन्ने की कमी के बीच केंद्र सरकार ने एथेनॉल नीति में बदलाव किया है। एथेनॉल सप्लाई वर्ष 2026-27 के लिए सरकारी तेल कंपनियों ने गन्ने के रस, चीनी सिरप चीनी और बी-हेवी मोलासेस से तैयार एथेनॉल खरीद के लिए बोली नहीं मांगी है। यह व्यवस्था 1 नवंबर 2026 से लागू होने वाली है। सरकार के फैसले को घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। कमजोर मानसून और गन्ने की पैदावार को लेकर बनी चिंताओं के बीच सरकार नहीं चाहती कि बड़ी मात्रा में गन्ना एथेनॉल उत्पादन में चला जाए और इसका असर चीनी की सप्लाई पर पड़े। चीनी उत्पादन को प्राथमिकता देते हुए गन्ने से बनने वाले एथेनॉल की सरकारी खरीद पर रोक लगाई गई है। सरकार के फैसले का उदेश्य घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना है।

गन्ने का एक हिस्सा एथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होता है तो उससे संभावित रूप से बनने वाली चीनी बाजार तक नहीं पहुंचती। जब उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ रही है सरकार चाहती है कि उपलब्ध गन्ने का अधिक हिस्सा चीनी उत्पादन में जाए। सरकार ने खाद्य जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए चीनी आधारित एथेनॉल से दूरी बनाने का फैसला किया है। सरकार ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की नीति जारी रखते हुए दूसरे कच्चे माल पर निर्भरता बढ़ाने का रास्ता चुना है। नए टेंडर में मक्का, टूटे चावल और भारतीय खाद्य निगम के उपलब्ध अतिरिक्त चावल जैसे स्रोतों से बने एथेनॉल के लिए खरीद का रास्ता रखा गया है।

शिवा शर्मा डेथ मिस्ट्री, कोर्ट में सरेंडर कर सकती है मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ के बहुचर्चित व्यापारी और कैफे संचालक शिवा शर्मा हत्याकांड को नौ दिन बीत चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी और उसकी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा दुबे अभी भी खाकी की पकड़ से कोसों दूर है। पुलिस की तमाम कोशिशों के बाद भी उसका सुराग न मिलने पर अब यह बात सामने आ रही है कि श्रद्धा लखनऊ कोर्ट में सरेंडर करने की अर्जी दे चुकी है। घटना के बाद बहराइच के रुपईडीहा बॉर्डर से नेपाल भागने वाली श्रद्धा अब महराजगंज के रास्ते वापस उत्तर प्रदेश लौट आई है। पुलिस ने श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। तीनों के खिलाफ कोर्ट से गैर-जमानती वारंट भी जारी हो चुका है। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों के कोर्ट में सरेंडर करने की सुगबुगाहट को देखते हुए लखनऊ कोर्ट परिसर और उसके आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस की तफ्तीश में यह अहम खुलासा हुआ है कि नेपाल भागने के बाद श्रद्धा ने अपनी पहचान छिपाने के लिए बुर्का पहना और नेपाल के भैरहवा स्थित एक होटल में रुकी। सोनौली और भगवानपुर इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पुलिस को उसके रास्तों के पुख्ता सुराग मिले हैं।

चुनाव आयोग ने दो आवेदन पर 4 वोटर आईडी मिलने के दावे को किया खारिज

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सीईओ के कार्यालय ने दो आवेदन देने पर 4 वोटर आईडी मिलने के दावों का खंडन किया है। कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि वास्तव में उस व्यक्ति ने चार आवेदन जमा किए थे और परिणामस्वरूप उसे चार मतदाता फोटो पहचान पत्र ईपीआईसी प्राप्त हुए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने सोशल मीडिया पर वोटर आईडी के संबंध में पोस्ट करने वाले एक यूजर को अपने तथ्यों की जांच करने की सलाह दी। कार्यालय ने एक्स पर जवाब में लिखा, मिस्टर फैक्ट-चेकर, कृपया अपने खुद के तथ्यों की ही जांच कर लें। चुनाव आयोग की ऐसी कोई स्कीम नहीं है, जिसमें एक खरीदें, एक मुफ्त पाएं जैसा कुछ हो। फॉर्म 6 दो बार जमा करने पर चार मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने के संबंध में किए गए दावों पर कार्यालय ने कहा, यह दावा बिल्कुल गलत है।

सीईओ ने बताया कि मतदाता ने 4 आवेदन जमा किए थे। सोशल

मीडिया यूजर से सीईओ कार्यालय ने कहा, यदि आप हमारे तथ्यों को चुनौती देना चाहते हैं, तो आप उन दो आवेदनों के रेफरेंस नंबर दें, जिनके बारे में आपका दावा है कि उसने उन्हें जमा किया था। बाकी दो आवेदनों के रेफरेंस नंबर हम दे देंगे। सीईओ कार्यालय ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की ओर से कई फॉर्म जमा करने पर एक से अधिक मतदाता पहचान पत्र बन जाने की समस्या काफी पुरानी है। चुनान आयोग समय-समय पर ईसीआईनेट के जरिए श्डी-डुप्लीकेशनश करता है। आयोग एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जिससे किसी व्यक्ति की ओर से जमा किए गए एक से अधिक फॉर्म को, उनके जमा होने के समय ही पकड़ा जा सके। आयोग जल्द ही अपने इस लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

कार्यालय ने यूजर को चेतावनी दी कि भारत निर्वाचन आयोग के बारे में पूरी तरह से गलत बयान देकर लोगों को न भड़काएं और न ही नागरिकों के मन में संवैधानिक संस्था के प्रति अविश्वास या नाराजगी पैदा करने की कोशिश करें।

योगी सरकार ने जेलों को बनाया अभेद्य

लखनऊ,संवाददाता। योगी सरकार प्रदेश की जेलों को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और तकनीक से लैस करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। कारागारों में बंदियों की निगरानी मजबूत करने से लेकर परिधीय सुरक्षा, प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता, बंदियों के शैक्षिक विकास समेत कई स्तरों पर बदलाव किए जा रहे हैं।

डीजी, कारागार एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने बताया कि योगी सरकार जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दे रही है।

द्वड्डद्धठ्ठद्मह्यड्ड द्वह्यड्ड %द्मद्म द्धठ्ठद्ध; ह्वश्वद्मद्ध= स्द्ध 15ड्डद्ध द्ध द्ध छ्द्म4ह द्धस्= ह्य

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के मंदिरों में शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर सुबह से ही श्रद्धालु उमड़ पड़े। सबसे ज्यादा भीड़ बख्शी का तालाब इलाके के मां चंद्रिका देवी धाम में है। यहां मंदिर के मुख्य गेट के बाहर से अंदर गर्भगृह के कपाट तक भक्तों की 2 लाइन लगी हैं। हवनकुंड पर अखंड यज्ञ चल रहा है। बाढ़क्षेत्र में राहत दल मुस्तैद है। इसके अलावा, शहर के प्रमुख दुर्गा मंदिरों के साथ पूजा पंडालों में भी भक्तों की कतार लगी हुई है।

विंध्याचल बनेगा यूपी के शक्तिपीठ सर्किट का प्रमुख केंद्र : जयवीर

लखनऊ,संवाददाता। विंध्याचल में धार्मिक पर्यटन का दायरा मां विंध्यवासिनी मंदिर से आगे बढ़कर संपूर्ण शविंध्य त्रिकोणश तक विस्तारित हो रहा है। मां विंध्यवासिनी, मां काली खोह और मां अष्टभुजा मंदिरों में वर्ष 2025 के दौरान 1.84 करोड़ दर्शनार्थी पहुंचे। वर्ष 2023 में यह संख्या 1.15 करोड़ थी। इस तरह दो वर्षों में तीनों मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सदियों पुरानी विंध्य त्रिकोण परिक्रमा अब धार्मिक पर्यटन की नई पहचान बन रही है। योगी सरकार भी शक्तिपीठ सर्किट विकसित कर इस आस्था पथ को विस्तार देने की दिशा में काम कर रही है। विंध्य त्रिकोण अंतर्गत मां विंध्यवासिनी धाम में दर्शनार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

संपादकीय

स्टारलिंक और एकाधिकार

एयरपोर्ट के फूड कोर्ट में वेटर ने पूछा, ''सर, क्या आप अपनी कॉफी के साथ कुछ और लेना चाहेंगे?'' मैंने कहा, ''हां, एक छोटा–सा लोन दे दीजिए।'' वह मुस्कुरा दिया।मैंने समझाया, ''मैंने पार्किंग के पैसे तो पहले ही भर दिए हैं। अगर मैं आपका सैंडविच भी खरीद लूं, तो शायद मेरे बच्चों की पढ़ाई ही छूट जाएगी।'' एक समय था जब हम एयरपोर्ट पर हवाई जहाजों को उड़ान भरते देखने जाते थे। आजकल, हम अपनी बचत को भी उसी तरह 'उड़ते' हुए देखते हैं। और नहीं, जब मैं 'मोनोपोली' (एकाधिकार) की बात कर रहा हूं, तो मेरा मतलब बोर्ड गेम से नहीं है। कम से कम उस गेम में तो हर कोई कुछ पैसों के साथ शुरुआत करता है। जरा उन सुविधाओं पर नजर डालिए जो कभी सरकार चलाती थी और अब निजी हाथों में हैं। हमसे 'दक्षता' का वादा किया गया था। बहुत बढिया! लेकिन क्या कोई समझा सकता है कि इस 'दक्षता' का मतलब मेरी जेब को पूरी तरह खाली कर देना क्यों है? ''सर, ये प्रीमियम सुविधाएं हैं।'' ''मैंने तो बस अपनी कार पार्क की थी। क्या आपने उसे कोई मसाज दी है?''निजी कंपनियां बेशक सेवाओं में सुधार कर सकती हैं लेकिन किसी सार्वजनिक सुविधा को निजी हाथों में सौंप देने से अपने आप प्रतिस्पर्धा पैदा नहीं हो जाती। नीलामी के समय तो कई बोली लगाने वालों के पास विकल्प हो सकते हैं लेकिन एक बार कॉन्ट्रैक्ट मिल जाने के बाद, ग्राहक के पास क्या विकल्प बचता है? इसी बात से मुझे स्टारङ्क्षलक को लेकर हो रहे देशभक्तिपूर्ण विरोध की याद आती है। कुछ लोग इसे बाहर रखने की बात कर रहे हैं, उनका तर्क है कि कोई विदेशी कंपनी हमारे 'घर' (बाजार) में घुस रही है। सरकार का कहना है कि तीनों लाइसैंस प्राप्त सैटेलाइट ऑप्रेटरों का सुरक्षा मूल्यांकन किया जाएगा। यह ठीक है, नियमों को सख्ती से और सबके लिए समान रूप से लागू करें लेकिन देशभक्ति को किसी के बिजनैस साम्राज्य के बाहर तैनात 'सिक्योरिटी गार्ड' नहीं बन जाना चाहिए। ''कौन आ रहा है?'' ''एक प्रतियोगी।'' ''देश के लिए खतरा!'' ''और ग्राहक का क्या?'' ''उसे तो बस गर्व महसूस करने का निर्देश दिया गया है।'' मुझे कहीं ज्यादा गर्व होता अगर मेरा इंटरनैट तब भी काम करता, जब पूरा परिवार मेरे वाई–फाई से जुड़ जाता! याद है, जब सड़कों पर एंबैसेडर और फिएट कारों का बोलबाला हुआ करता था? गाड़ी खडखड़ाती थी। दरवाजे खुलते समय आवाज करते थे। इंजन स्टार्ट होने से पहले मानो आपस में कोई मीटिंग करता था कि आज चालू होना है या नहीं। हम इसे ही देशभक्ति कहते थे, जबकि वह कार किसी रोडरोलर की तरह रेंगती हुई आगे बढ़ती थी। फिर और निर्माता आए तथा अचानक ग्राहकों को एक हैरान करने वाली बात पता चली। उनके पास चुनने का विकल्प था। निर्माताओं को बेहतर काम करना पड़ा, क्योंकि ग्राहक किसी दूसरे शोरूम में जा सकते थे। प्रतिस्पर्धा की यही खूबी है। यह कारोबारियों को यह याद रखने के लिए प्रेरित करती है कि ग्राहकों के पास चलने–फिरने के लिए पैर हैं। अब, स्टारलिंक कोई ऐसी खैरात नहीं है जो आसमान से मुफ्त इंटरनैट लेकर उतरी हो। इसकी कीमतें भी ऐसी होनी चाहिएं, जिन्हें हम स्वीकार कर सकें। न तो कोई भारतीय अरबपति और न ही कोई अमरीकी अरबपति ऐसा है, जिसके प्रति हमें बिना सोचे–समझे समघ्पत हो जाना चाहिए। उन्हें हमारे ग्राहकों के लिए आपस में मुकाबला करने दें। भारतीय कंपनियों को भारतीयों की बेहतर सेवा करके और मजबूत होने दें।

नशों का संताप भोगता पंजाब

प्रो. संजय द्विवेदी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के समापन पर जालंधर में 30 सितम्बर, 2026 को सार्वजनिक तौर पर यह घोषणा की कि उनकी पार्टी 31 दिसम्बर, 2029 तक पंजाब को 'चिट्टा' मुक्त कर देगी। इसी तरह कुछ अन्य राजनीतिक पार्टियां, सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं भी नशे के विरुद्ध निर्णायक कार्यों में जुटी हुई हैं। श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज्ज ने 'मीरी पीरी खालसा मार्च' के दौरान नशे की रोकथाम के लिए विशेष रूप से गांवों में प्रचार करते हुए नशा पीड़ितों को दुत्कारने की बजाय सहानुभूति के साथ सुधार की जरूरत पर जोर दिया। अफसोस की बात तो यह है कि अनेक प्रयासों के बावजूद देश भर में, खास तौर पर पंजाब में शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता हो, जब नशे के सेवन के कारण युवाओं की मौतें, आत्महत्याएं, हत्या, लूट–खसूट, गैंगस्टरवाद और बिगड़ती कानून–व्यवस्था से जुड़े घिनौने कांड सामने न आते हों। 4 अक्तूबर को अंग्रेजी के एक राष्ट्रीय स्तर के अखबार में नशे के संबंध में बठिंडा से प्रकाशित खबर ने मेरा ध्यान आकर्षित किया, तो मेरी इस कलम ने इस गंभीर समस्या की ओर रुख किया। विश्वसनीय खबर के अनुसार तलवंडी साबो उपमंडल के अंतर्गत पड़ते माही नंगल गांव के निकट 23 वर्षीय मृतक युवक के बाजू में धंसी हुई सिरिंज मिली। वास्तव में राजप्रीत सिंह 2 अक्तूबर की शाम से लापता था। उसके पारिवारिक सदस्यों के अनुसार राजप्रीत को 6 महीनों से चिट्टे की लत लग चुकी थी और वह उपचाराधीन भी रहा। वह अपने पीछे विधवा मां और एक साल के बच्चे वाली पत्नी को छोड़ गया। माता मनदीप कौर ने रोते–बिलखते सरकार से इस प्रकार अपील की, ''हमें 1000–1500 रुपए की जरूरत नहीं है। गांवों और शहरों में नशा बेचना बंद करो। हम खुद इतने पैसे इकट्ठे करके सरकार को दे दिया करेंगे।'' संभवतः ग्रामीणों को भी यह अहसास हो चुका है कि कर्जों के सिर पर सरकार चल रही है और शायद उसे फंड की जरूरत हो। इससे बढ़कर शर्मनाक फटकार सरकार के लिए और क्या हो सकती है? ग्रामीणों के अनुसार इस गांव के कई युवा पहले भी नशे का शिकार हो चुके हैं। नशे के विरुद्ध युद्ध के 19 महीने पूरे होने पर पंजाब के विशेष डी.जी.पी. (कानून एवं व्यवस्था) प्रवीन कुमार सिन्हा ने आंकड़े जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि 1 मार्च, 2023 से अब तक

63,616 प्राथमिकियां दर्ज करके 81,107 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। 4161 किलो हैरोइन, 10 क्विंटल अफीम, 476 क्विंटल भुक्की (पोस्त), 103 किलो चरस, 1747 किलो गांजा, 65.75 लाख नशीली गोलियां और 22.2 करोड़ ड्रग मनी भी जब्त की गई। बी.एस.एफ. पंजाब फ्रंटियर के आई.जी. अतुल फुलजेले के अनुसार बीते 9 महीनों के दौरान पाकिस्तान से तस्करी कर लाई गई 850 किलो हैरोइन पकड़ी गई, जबकि वर्ष 2025 में 415 किलो बरामद की गई थी।

यह एक कड़वी सच्चाई है कि हजारों की तादाद में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों/अपराधियों को कानूनी कमियों के कारण और राजनीतिक दबाव में रिहा कर दिया जाता है। सवाल यह भी है कि नशे के जखीरे को रीसाइकिल करके कहीं दोबारा गांवों और कैमिस्टों के पास तो नहीं पहुंचाया जा रहा? यह सब कुछ राजनीतिक नेताओं, उच्च पुलिस अधिकारियों, नशा तस्करों और सरकार के कमाऊ पूतों (पुलिस) की मिलीभगत का ही नतीजा हो सकता है। कुछ नेता और पुलिस अधिकारी परिणाम भुगत भी रहे हैं। नौकरियों का झांसा देने वाले नेताओं को यह अहसास होना चाहिए कि आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पी.एल.एफ.एस.) के पिछले सर्वे के अनुसार बेरोजगारी की औसत दर पंजाब में 22.3 प्रतिशत रही, हिमाचल में 24.1 प्रतिशत और हरियाणा में 11.8 प्रतिशत, जबकि देश की औसत दर 15.9 प्रतिशत थी। पंजाब के हुक्मरानों जागो! युवाओं को गुमराह करने की बजाय उनके सुनहरे भविष्य के लिए प्रयासरत होओ, उनकी समस्याएं हल हों। भारत से सभी युद्ध हारने के बावजूद पाकिस्तान भारत को 'हजार घाव देने' की नीति के तहत हमारे देश के भीतर नशे और जासूसी का जाल बिछाकर 'हनी ट्रैप' के जरिए युवा पीढ़ी को इस हद तक कमजोर कर देना चाहता है, कि वे सेना में भर्ती होने के काबिल ही न रहें। फिर तो युद्ध हारा ही समझो! हुक्मरान सतर्क रहें। चीन 'अफीमचियों–नशेडियों का देश' के रूप में जाना जाता था, बीमारियों और नशे के कारण मौतें बढ़ती जा रही थीं। भारत की आजादी के 2 वर्ष बाद वर्ष 1949 में चीन में जबरदस्त क्रांति आई। सबसे पहले पी.एल.ए. की देखरेख में नशे के विरुद्ध कड़ा कानून बनाया गया। फिर नशे के भंडारों को आग के हवाले करके ड्रग तस्करों, अपराधी नेताओं और बेलगाम भ्रष्ट नौकरशाही को फांसी दे दी गई। आज चीन हर लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रहा है। हम अमित शाह जी द्वारा दिसम्बर 2029 तक पंजाब को 'चिट्टा मुक्त' करने के संकल्प की सराहना करते हैं, परंतु इसे केवल पंजाब तक ही सीमित न रखा जाए, बल्कि समूचे देश को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए, अन्यथा नशा गुजरात या कई अन्य राज्यों अथवा बंगलादेश–नेपाल जैसे देशों के जरिए पंजाब में पहुंचता रहेगा। इंटरनैशनल मैडीकल हैल्पलाइन और एंटी–ड्रग सोसायटी का ऑप्रेशंस डायरैक्टर होने के नाते मैं प्रधानमंत्री जी से अपील करता हूं कि चीन के पदचिन्हों पर चलते हुए नए नशा विरोधी कानून बनाकर नशे के सौदागरों, चाहे वे राजनीतिक नेता हों, पुलिस अधिकारी या अफसरशाही, को दंडित किया जाए और नशे के जखीरे को नष्ट कर दिया जाए।

भारतीय न्याय व्यवस्था खर्चीली व समय बर्बाद करने वाली

प्रो. दरबारी लाल

भारतीय न्यायिक व्यवस्था बेहिसाब खर्चीली, बेहद पेचीदा, आधुनिक प्रगतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक युग में देशवासियों का अनावश्यक कीमती समय बर्बाद करने वाली, शरीर को पूरी तरह थका देने वाली और मानसिक बेचैनी और परेशानियों से संतुलन बिगाडने वाली तथा विकसित समाज के रास्ते में एक बड़ी रुकावट है। यह बेदर्दाना नवाबी नजरिया फरियादियों के लिए निहायत निराशाजनक, अफसोसनाक और हैरतअंगेज ही नहीं, बल्कि समूचे समाज के लिए अविश्वसनीय, अकथनीय और अत्यधिक परेशानियों का सबब बना हुआ है, जो समूची व्यवस्था के लिए तौर–तरीकों पर ही प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। तारीख पर तारीख की संस्कृति न्याय के इच्छुक लोगों के जज्बातों को भी मजरूह करती है।

स्वतंत्रता के पश्चात संविधान लागू होने से अब तक (1950–2026), भारत की सभी अदालतों में 5 करोड़ 49 लाख के करीब मुकद्दमे विचाराधीन हैं, इनमें से कई केस 10 से 30 वर्षों से लटके हुए हैं और कई लोग न्याय की इंतजार में अल्लाह मियां को प्यारे हो चुके हैं। अब उनकी दूसरी पीढ़ी इंसाफ पाने के लिए ठोकरें खा रही है। हकीकत में भारत में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 100 करोड़ लोग बुरी तरह प्रभावित हैं। जबकि भारत की कुल आबादी 1 अरब 45 करोड़ है। इतनी भारी संख्या में लंबित मामले विश्व के शायद ही किसी अन्य देश में हों। एक सर्वे के अनुसार वर्तमान लंबित मुकद्दमों से निपटने के लिए कम से कम 500 वर्ष लगेंगे जबकि औसतन भारतीय की आयु 68 वर्ष है। अगर इसी धीमी गति से व्यवस्था चलती रही तो जीवित व्यक्ति के लिए न्याय पाना मुश्किल ही नहीं, बल्कि नामुमकिन हो जाएगा। विश्व के 10 छोटे देशों की इतनी आबादी नहीं, जितने भारत में न्यायालयों में मुकद्दमे दर्ज हैं। चीन में 4 करोड़ 60 लाख केस प्रति वर्ष न्यायालयों में दर्ज होते हैं, जिनमें से 99 प्रतिशत केसों का 1 वर्ष में निपटारा कर दिया जाता है, जबकि चीन की आबादी 142 करोड़ है। विश्व के सबसे शक्तिशाली और प्रजातांत्रिक देश अमरीका में 3.98 करोड़ के करीब दीवानी केस हर वर्ष दाखिल होते हैं, जिन पर बड़ी तेजी से फैसले लिए जाते हैं, केवल फौजदारी मुकद्दमों में देरी होती है। अमरीका की आबादी 35 करोड़ के

करीब है। मुकद्दमों के शीघ्र निपटारे से जहां लोगों का समय और धन बचता है, वहीं दूसरी तरफ आर्थिक विकास में आश्चर्यजनक इजाफा होता है। यदि अमरीका और चीन में करोड़ों मुकद्दमों का 1 वर्ष में फैसला किया जा सकता है, तो भारत में क्यों नहीं? इस समय केवल सुप्रीम कोर्ट में 26,979 याचिकाएं पड़ी हैं और देश की हाईकोर्टों में इनकी संख्या कई हजारों में है। इन याचिकाओं को निजी स्वार्थ, धन लोलुपता या बदलाखोरी के लिए दुरुपयोग किया जाता है। न्यायपालिका में केवल 11.8 प्रतिशत याचिकाओं को स्वीकृति प्रदान की जाती है, जबकि 88.2 प्रतिशत को खारिज कर दिया जाता है। ताज्जुब यह है कि स्वीकृत याचिकाओं में भी 61 प्रतिशत खारिज हो जाती हैं। यह याचिकाएं केवल न्यायालयों पर गैर जरूरी बोझ ही नहीं, बल्कि लोगों के लिए भी अत्यधिक परेशानियां पैदा होती हैं। कई बार सत्ता पक्ष के नेता अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को रास्ते से हटाने के लिए झूठे और बेबुनियाद केस डाल देते हैं, जिनके फैसले में पूरा जीवन इंतजार करना पड़ता है। सरकार को बंद ज्यूरी ट्रायल कोर्ट्स पुनरू बहाल करनी चाहिएं ताकि जल्द फैसले किए जा सकें। कुल मुकद्दमों में 1 प्रतिशत तलाक के मामले दर्ज हैं जिन्हें बड़ी आसानी और कम समय में निपटाया जा सकता है, जबकि भारत में इन केसों को निपटाने के लिए 10 से 15 साल लग जाते हैं। भारत के एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को तलाक लेने में 17 वर्ष लगे। विकसित देशों में इन केसों का कुछ ही महीनों में फैसला कर दिया जाता है। मुकद्दमों में देरी और पेचीदगियों के कारण न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता में कमी आ रही है, जिसे दुरुस्त करना समय की जरूरत है। अमरीका में 10 लाख आबादी पर 130 न्यायाधीश हैं, चीन में 300, जबकि भारत मे केवल 15 हैं। लंबित मामलों का निपटारा करने के लिए सरकार को अतिशीघ्र न्यायधीशों के खाली पद भरने चाहिएं और जरूरत के अनुसार इनकी संख्या में वृद्धि करनी चाहिए। कई प्रदेशों की सरकारें दीवानी केसों को अपने स्तर पर निपटाने की बजाय लोगों को कोर्टों में जाने के लिए मजबूर कर देती हैं, जिससे न्याय पालिका में मुकद्दमों की तादाद तीव्र गति से बढ़ती रहती है। केंद्र सरकार को सभी प्रादेशिक सरकारों को सख्त हिदायत देनी चाहिए ताकि वे उन केसों का अपने अधिकारियों के जरिए निपटारा करें, समय की बर्बादी से बचें और लोग कोर्टों में ठोकरें खाने से निजात पा सकें। सभी प्रकार के न्यायिक मामलों के लिए समय निश्चित किया जाए और माननीय न्यायाधीशों को जिम्मेदारी और जवाबदेही की व्यवस्था में लाया जाए। भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि माननीय न्यायाधीश योग्य, कार्यकुशल और अपने फैसलों के लिए विश्व में विशेष स्थान रखते हैं, परंतु लंबित मामले समाज के लिए अति दुखदायी हैं।

छात्र आंदोलन : बदलाव के लिए युवाओं की तड़प

दीप्ति मिश्रा

देश भर में किए गए हालिया विरोध प्रदर्शनों ने सरकारों के कड़े रुख के साथ मिलकर, एक बार फिर छात्र आंदोलनों और उनके परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया है। इसलिए छात्र संगठनों और आंदोलनों के एक संक्षिप्त इतिहास पर नजर डालना समीचीन होगा। 1960 से 1990 के दशकों में दुनिया भर में छात्र आंदोलन देखे गए। भारत में भी छात्रों द्वारा कई आंदोलन चलाए गए, जिनमें से कुछ धर्मनिरपेक्ष थे और कुछ सांप्रदायिक या भाषाई। 1968 के पैरिस छात्र विद्रोह ने यूरोप के युवाओं की कल्पना को झकझोर कर रख दिया। इसने 'यथास्थिति' में बदलाव के लिए युवाओं की तड़प का प्रतिनिधित्व किया। इसने वामपंथी राजनीति, युद्ध–विरोधी भावना, नागरिक अधिकारों पर जोर और एक ऐसी जवाबी संस्कृति को मुख्यधारा में ला खड़ा किया, जिसने 1970 के दशक के हिप्पी आंदोलन में अपनी अभिव्यक्ति पाई। पैरिस में यह उभार प्राग सिं्प्रग, चौकोस्लोवाकिया में स्वतंत्रता की एक संक्षिप्त खिड़की, के साथ मेल खाता था। यह कम्युनिस्ट कुशासन के खिलाफ 1956 में हंगरी में हुई क्रांति के 12 साल बाद आया था। इन दोनों विरोध प्रदर्शनों को तत्कालीन सोवियत संघ द्वारा अपनी–अपनी राजधानियों में सोवियत टैंक उतारकर बेरहमी से कुचल दिया गया था। मैक्सिको, ब्राजील, अर्जेंटीना से लेकर चिली तक पूरे लैटिन और दक्षिण अमरीकी महाद्वीप में 1960 और 70 के दशक में छात्रों ने विश्वविद्यालय स्वायत्तता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पुलिस दमन और सैन्य तानाशाही जैसे मुद्दों पर अपनी–अपनी सरकारों के खिलाफ रैलियां कीं और रोष प्रकट किया। एशियाई परिसर भी अमरीकी साम्राज्यवाद के खिलाफ सुलग रहे थे। स्वतंत्रता के बाद के भारत ने चार बड़े छात्र आंदोलन देखे, जिनके चार बेहद अनोखे परिणाम सामने आए। 1965 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन को सी.एन. अन्नादुराई, मुथुवेल करुणानिधि (कलैग्नार) और तमिल बौद्धिक और सांस्कृतिक समुदाय के अन्य प्रमुख व्यक्तियों का समर्थन प्राप्त था। इसके परिणामस्वरूप तत्कालीन कांग्रेस सरकार बेदखल हुई और एक 'द्रविड़ द्वैध शासन' की स्थापना हुई,

जिसे 6 दशक बाद 2026 के विधानसभा चुनावों में अभिनेता सी. जोसेफ विजय की जीत ने ही तोड़ा। इसके विपरीत, उत्तर भारत में 'अंग्रेजी हटाओ आंदोलन' नामक अंग्रेजी–विरोधी आंदोलन ने, जिसे डा. राम मनोहर लोहिया और अटल बिहारी वाजपेयी जैसों का समर्थन प्राप्त था, समाजवादियों और दक्षिणपंथियों को एक साथ ला खड़ा किया।

इसने 1967 के राज्य विधानसभा चुनावों में पहली संयुक्त विधायक दल सरकारों के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। 1974 में गुजरात के नवनिर्माण आंदोलन ने चिमनभाई पटेल सरकार को बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह जल्द ही जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाले संपूर्ण क्रांति आंदोलन में तबदील हो गया। इसके बाद 1975 में आपातकाल और फिर 1977 में जनता पार्टी की सरकार की स्थापना हुई। 1980 के दशक में ऑल–असम स्टूडैंट्स यूनियन (ए.ए.एस.यू.) द्वारा बंगलादेश से आए प्रवासियों के खिलाफ एक शक्तिशाली आंदोलन चलाया गया, जिसने ऑल असम गण संग्राम परिषद (ए.जी.एस.यू.) का गठन किया। 15 अगस्त, 1985 के असम समझौते के बाद इसने असम गण परिषद (ए.जी.पी.) की सरकार को अस्तित्व में ला दिया। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के खिलाफ आंदोलन के दौरान 63 से अधिक छात्रों ने आत्मदाह कर लिया और पुलिस फायरिंग में 50 से अधिक मारे गए। इसके कारण विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार सत्ता से बाहर हो गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण, उदारीकरण और वाशिंगटन सहमति के साथ इसके संरेखण ने युवाओं के लिए कई नए रास्ते खोल दिए। अब पारंपरिक पेशे और राष्ट्रीय राजनीति के प्रवेश द्वार के रूप में छात्र राजनीति ही बौद्धिक रूप से चुनौतीपूर्ण, भौतिक रूप से संतोषजनक या सार्वजनिक मंचों पर दृश्यता प्रदान करने वाले करियर का एकमात्र साधन नहीं रह गई थी। 1992 में केबल और सैटेलाइट टैलीविजन के आगमन के साथ निजी उद्यमों के लिए प्रसारण क्षेत्र के खुलने ने उन युवाओं को एक मंच प्रदान किया, जो सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी आवाज और पहचान दोनों की चाह रखते थे। 1991 के बाद के भारत द्वारा पेश किए गए नए अवसरों के मद्देनजर करियर को लेकर सजगता मुख्य प्रेरक शक्ति बन गई। छात्र अब छात्र राजनीति को समय की बर्बादी मानने लगे हैं और शायद सही भी। 1980 और 90 के दशक में एन.एस.यू.आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बाद में इंटरनैशनल यूनियन ऑफ स्टूडैंट्स (आई.यू.एस.) के अध्यक्ष के रूप में, मैंने इन बदलावों को वास्तविक समय में घटते देखा है।

(लेखक हाई कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)

सवालों के घेरे में हैं जेएनयू के क्रांतिकारियों की चयनित चुप्पियां

प्रो. संजय द्विवेदी

स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किस्से बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं। शिक्षा केंद्रों की कलंक कथाएं अनंत हैं। गुरु–शिष्य परंपरा को लजाते प्रकरण मुंह चिढ़ा रहे हैं। ऐसी खबरें अब बहुत विचलित नहीं करतीं। किंतु बात जब जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय जैसे शिक्षा केंद्र की हो तो मामला साधारण नहीं रह जाता। आरोप किसी साधारण शिक्षक पर नहीं, मणिपुर से लोकसभा के के साहस को भी नमन करना चाहिए, जिनके कारण यह प्रकरण प्रकाश में आ सका। हमारी परंपरा में शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए अभिभावक हैं। इस गरिमा को छोड़कर अपने विद्यार्थियों का किसी भी तरह का शोषण स्वीकार्य नहीं है। यह उस अकादमिक भरोसे की हत्या है, जिस पर शिक्षा की नींव टिकी है। आरोपी प्रोफेसर के बारे में विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने शिकायतों को सही पाया है। नैतिकता के आधार पर उन्हें सांसद पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है। यह बात रेखांकित करती है कि शिक्षा केंद्रों में शिक्षक सुरक्षित माहौल नहीं

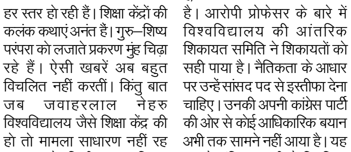

सांसद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर हैं। वे जेएनयू के सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र में प्राध्यापक थे। जेएनयू प्रशासन ने 11 छात्राओं की शिकायतों की जांच के बाद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को बर्खास्त कर दिया है। वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत मायने नहीं हैं। मुद्दा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है।

जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरुक विद्यार्थियों की संख्या काफी है। राजनीतिक तौर पर भी उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में किसी प्राध्यापक का यह रवैया आश्चर्यजनक है। उन छात्राओं देगें तो युवा पीढ़ी का मानसिक और शैक्षणिक विकास कैसे होगा? यह भी सुखद है कि जागरुक विद्यार्थी अब किसी तरह के शोषण को सहने को तैयार नहीं हैं। पीड़िताएं अब डरने के बजाए संस्थागत प्रक्रियाओं का दरवाजा खटखटा रही हैं।

स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किस्से बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं। तेज होते सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों के इस दौर में सिर्फ कानून ही स्त्री के साथ खड़े हैं। कई जगह स्त्रियां भी, स्त्रियों के खिलाफ खड़ी हैं। यह संक्रमण काल है, स्त्री को अपने वजूद को साबित करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का समय है। वह जीत रही है और आगे बढ़ रही है। आज की बेटियां अपने सपनों में रंग भर रही हैं। आसान शिकार होने के नाते कुछ शिकारी उसकी घात में हैं, किंतु आज की औरत इससे डरती नहीं। घबराती नहीं। वह बने–बनाए कठघरों को तोड़कर आगे आ रही है।

कानून से ऊपर कोई नहीं है। आरोपी प्रोफेसर सांसद हैं तो उन्हें कुछ विशेषाधिकार जरुर हासिल हैं। ऐसे में मुद्दा यह भी है कि जब कानून बनाने वाले ही महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं तो राजनीतिक शुचिता का क्या होगा। दलगत राजनीति और चयनित चुप्पियों के समय में राजनीतक दलों का रवैया दोमुंहा हो जाता है। टीवी डिबेट्स में राजनीतिक दलों की महिला प्रवक्ता भी उक्त प्राध्यापक का बचाव करते नजर आ रहे हैं। यह तर्क भी कितने गलीज हैं कि दूसरे दल के लोगों पर भी आरोप लगे हैं। इससे गहरी राजनीतिक संवेदनहीनता प्रकट होती है। आपको इसलिए छोड़ दिया जाए क्योंकि प्रतिपक्ष पर भी ऐसे आरोप हैं। नैतिकता और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर स्त्री सम्मान के लिए सभी को खड़ा होना चाहिए। संसद को हम लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं। वहां बैठे सांसदों से उच्च नैतिक आचरण की अपेक्षाएं बेमानी नहीं हैं। हालात इतने बदतर हैं कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग अकसर संस्थागत जांच की वैधता पर सवालिया निशान लगाकर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास करते हैं। इस मामले में भी यही दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर जेएनयू प्रशासन का यह दावा कि उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आंतरिक समिति की रिर्पोट के आधार पर सांसद–प्राध्यापक पर कार्रवाई की गई है। यह साबित करता है कि राजनीतिक पदों की धमक से ऊपर अब संस्थागत नियमों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

विश्वविद्यालयों के परिसरों में वैचारिक विमर्श हों। संवाद हों। किंतु वे ताकतवर लोगों के लिए सुरक्षित शरणगाह नहीं बनें। लक्ष्मण रेखा खींचने की जरुरत है। इस पर शिक्षकों को विचार करना होगा। अपने गिरेबां में झांकना होगा। शिक्षा परिसरों में पुलिस डेरा डाल रही है। उनकी स्वायत्तता और सम्मान आज हाशिए पर है। राजनीतिक दलों से जुड़ी अपनी आस्थाओं के कारण अगर शिक्षक अपनी भूमिका से समझौता करेंगें, तो उनका सम्मान बच नहीं सकता। विचारधारा और देशद्रोही विचारों के आधार पर चलने वाली शक्तियां परिसर को तो कलंकित करेंगी। शिक्षकों के सम्मान को आहत करेंगी। जेएनयू में कई वर्षों से चल रही भारत विरोधी गतिविधियों को रोकने, संभालने और अपने युवाओं को सही राह दिखाने की कोशिशें होतीं तो यह आज नासूर बनकर न फूटता। सवाल सीधा है कि जेएनयू में हर देशद्रोही को स्पेस क्यों मिल जाता है? कोई भी विचार तभी तक स्वीकार्य है, जब तक हमारी अकादमिक योग्यताओं को निखारने और संवर्धित करने में सहायक हो। जो विचार देश तोड़ने और उसके टुकड़े करने के स्वप्न देखे उसका मिट जाना ही ठीक है। देसीउत्पाद खोजें

अब जबकि स्त्रियों के सम्मान का मामला सामने है, तब 'जेएनयू के क्रांतिकारियों' की चयनित चुप्पियां सवालों के घेरे में हैं। यह प्रकरण अपने पद का दुरुपयोग करते हुए छात्राओं के उत्पीड़न का है। यह गुरु–शिष्य संबंधों को प्रभावित करता है। छात्राओं को भयभुक्त वातावरण प्रदान करना शासन– विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। क्यों हम अपने परिसरों को छात्राओं के लिए सुरक्षित स्थान नहीं बना पाए हैं? जेएनयू जैसे जागरुक परिसर में ऐसा हो रहा है तो छोटे स्थान पर क्या हो रहा होगा? किसी छात्रा के लिए सत्ता प्रतिष्ठान से टकराना साधारण नहीं होता।

कंपोजिट स्कूल में संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता से छात्रों में उत्साह

संवाददाता

महेवा । विकास खंड क्षेत्र महेवा के संकुल महेवा के अंतर्गत ग्राम राहतपुर स्थित कंपोजिट स्कूल के प्रांगण में संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस में जूनियर स्तर के बालक बालिकाओं की खेल कूद आयोजित हुए जिसमें बड़े उत्साह के साथ बच्चो ने भाग लेकर प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया ।

खेल कूद का शुभारंभ संकुल शिक्षक नरेंद्र यादव एवं प्रवीण पांडेय ने प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर किया ।

प्रतियोगिता के स्कूल के प्रधानाध्यापक विश्वराज वर्मा ने बताया कि दिन उच्च स्तर के बच्चो के खेल आयोजित हुए जिसमें 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ में सिद्धार्थ उझियानी प्रथम ,प्रशांत आनेपुर द्वितीय,अंकित राहतपुर तृतीय स्थान पर रहे ।वही बालिका वर्ग में तनु राहतपुर प्रथम ,वैष्णवी उझियानी द्वितीय , तनु आनेपुर तृतीय रही । 200 मीटर बालक वर्ग दौड़ में कृष उझियानी प्रथम ,अभय राहतपुर द्वितीय,सत्यम आनेपुर तृतीय ,बालिका वर्ग में स्नेहा राहतपुर प्रथम , संयोगिता आनेपुर द्वितीय , सेजल आनेपुर तृतीय ,400 मीटर बालक वर्ग दौड़ में राजा उझियानी प्रथम , प्रशांत आनेपुर द्वितीय ,पीयूष राहतपुर तृतीय ,वही बालिका वर्ग में खुशी आनेपुर प्रथम , तान्या उझियानी द्वितीय तथा वैष्णवी राहतपुर तृतीय स्थान पर रहीं।

कबड्डी बालक वर्ग में राहतपुर विजेता तथा उझियानी की टीम उपविजेता रही वहीं बालिका वर्ग में राहतपुर की टीम विजेता तथा उझियानी की टीम उपविजेता रही ,लंबी कूद बालक वर्ग में पीयूष राहतपुर प्रथम ,सूर्यांश उझियानी द्वितीय तथा प्रशांत तृतीय स्थान पर रहे बालिका वर्ग में वैष्णवी राहतपुर प्रथम , प्रिया बहेड़ा द्वितीय एवं पायल उझियानी तृतीय , गोला फेंक बालक वर्ग में राजा उझियानी प्रथम ,अंकित राहतपुर द्वितीय ,नैतिक आनेपुर तृतीय स्थान पर रहे बालक वर्ग में वहीं बालिका वर्ग में कीर्ति उझियानी प्रथम ,स्नेहा राहतपुर द्वितीय तथा शालू आनेपुर तृतीय स्थान पर रहीं , चक्का फेंक में पीयूष राहतपुर प्रथम ,राजा उझियानी द्वितीय तथा सत्यम आनेपुर तृतीय रहे वहीं बालिका वर्ग में वैष्णवी राहतपुर प्रथम ,शालू आनेपुर द्वितीय तथा अनुराधा उझियानी तृतीय स्थान पर रहीं खेलो में संकुल महेवा क्षेत्र के सभी स्कूलों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संकुल शिक्षक राजेश कुमार ,प्रवीण पांडेय , ,अरुण कुमार सहित पूजा अग्रवाल ,सर्वेश कुशवाहा , औसान सिंह ,राम सजीवन तोमर ,अरुणा दीक्षित ,संजीव कुमार ,आशुतोष वर्मा ,बालकृष्ण ,अरविंद कुमार ,मनोज कुमार ,राहत रहमानी ,पूजा सिंह ,गीता देवी ,सहित अनुदेशक प्रदीप कुमार ,ललित एवं नीरज चौहान का सहयोग रहा ।

पथरदेवा में दो दिवसीय क्षेत्रीय किसान मेले का समापन, किसानों को बांटे कृषि यंत्र और किट

संवाददाता

देवरिया। आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज पथरदेवा में आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय किसान मेले का समापन कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। मेले में इफको चेयरमैन दिलीप संघानी और परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह विशिष्ट अतिथि रहे।कृषि निदेशक डॉ. टी.एम. त्रिपाठी ने 1 नवंबर से शुरू हो रहे खेत बचाओ अभियान की जानकारी दी। केवीके वैज्ञानिकों ने तिलहनी फसलों और रबी 2026 की पैदावार बढ़ाने की आधुनिक तकनीक बताई। मेले में कृषि, उद्यान, गन्ना, मत्स्य, पशुपालन सहित 20 विभागों ने स्टॉल लगाए। कृषि विभाग ने मैकेनाइजेशन योजना के तहत किसानों को कृषि यंत्र वितरित किए। इफको और नूजीवीडू कंपनी ने सरसों व सब्जियों के निःशुल्क मिनी किट बांटे। स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगाया।

स्नातक व शिक्षक खंड चुनाव के लिए भाजपा ने कसी कमर

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा । स्थानीय कस्बा महेवा स्थित रघुनाथ वाटिका में स्नातक एवं शिक्षक खंड के चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी की ओर से पन्ना प्रमुख स्नातक एवं शिक्षक मतदाता ,मंडल के समस्त पदाधिकारियों तथा शक्ति केंद्र संयोजकों सहित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन सोमवार 19 अक्टूबर को सुबह साढ़े ग्यारह बजे से होगी जिसकी तैयारी हेतु पूर्व विधायक भरथना सावित्री कठेरिया ने महेवा क्षेत्र का दौरा करके पदाधिकारियों से संपर्क किया तथा बैठक में स्नातक एवं शिक्षक खंड के मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में आने का आवाहन किया । मंडल अध्यक्ष महेवा उदय कुशवाहा ने बताया कि बैठक में जिले के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे तथा पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देंगे उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में समय से बैठक में आने का आवाहन किया है।इस मौके पर मीनाक्षी चौहान ,महेश दुबे ,सुरेन्द्र भदौरिया , सोहित दिवाकर आदि मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी के लिए पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया ने मांगे वोट

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्र आगरा क्षेत्र से होने वाले मतदान के पूर्व भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदाताओं को लामबंद करने के लिए तथा शत प्रतिशत मतदान के लिए महेवा क्षेत्र के दर्जनों गावो में पहुंचकर पूर्व विधायक भरथना सावित्री कठेरिया ने शिक्षकों एवं स्नातकों से वोट मांगे तथा दोनों प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिताने की अपील की ।

वही इस मौके पर मंडल अध्यक्ष महेवा उदय कुशवाहा , बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की जिला संयोजक मीनाक्षी चौहान ,सेक्टर संयोजक महेश दुबे ,क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि बहेड़ा सोहित दिवाकर,बलवीर परिहार ,सोनू पाल आदि मौजूद रहे ।

मझौलीराज में पार्क निर्माण की मांग नामित सभासद ने उठाया मुद्दा

संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। नगर पंचायत मझौलीराज में पार्क निर्माण की मांग तेज हो गई है। शासन द्वारा नामित सभासद मनोज चौरसिया ने कहा कि नगर में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए कोई पार्क नहीं है, जिससे शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि ग्राम सभा के समय यहां एक बाल क्रीड़ास्थल था, जो अब विवाह भवन और हनुमान मंदिर में बदल गया है। मंदिर और विवाह भवन जरूरी हैं, लेकिन बच्चों के खेलने और बुजुर्गों के टहलने के लिए पार्क भी अति आवश्यक है।

चौरसिया ने मांग की कि नगर पंचायत की खाली पड़ी भूमि को चिह्नित कर जल्द पार्क का निर्माण कराया जाए। उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत की कई जमीनें अतिक्रमण के कारण कब्जे में हैं, जिन्हें मुक्त कराकर जनहित में उपयोग किया जा सकता है।

देवरिया में ताइक्वांडो बेल्ट ग्रेडिंग प्रतियोगिता संपन्न

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। युग निर्माण शिक्षण संस्थान इंटरमीडिएट कॉलेज में रविवार को जिला ताइक्वांडो संघ द्वारा बेल्ट ग्रेडिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। खिलाड़ियों ने पंचिंग, ब्लॉकिंग, किकिंग और आत्मरक्षा के दमदार करतब दिखाए।

प्रतियोगिता में विवेक पटेल ने ब्लू वन टू रेड बेल्ट, दिव्या चौरसिया ने ब्लू टू ब्लू वन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्रीन टू ग्रीन वन में अमन प्रजापति, येलो टू ग्रीन में सुहेल चौहान, व्हाइट टू येलो में कार्तिक चौरसिया और ग्रीन वन टू ब्लू में वेदिका यादव ने प्रथम स्थान हासिल किया। सचिव गिरीश सिंह ने बच्चों को आपात स्थिति में आत्मरक्षा के गुर सिखाए। विजेताओं को अध्यक्ष डॉ. संजय कनोडिया, प्रबंधिका संगीता पांडेय, प्रधानाचार्य कमलेश सेन सहित अन्य ने मेडल व प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया।

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी बने राहुल तोमर

शाहजहांपुर,संवाददाता। जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षक राहुल तोमर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शाहजहांपुर का मान बढ़ाया है। उन्हें प्रथम कॉमनवेल्थ कबड्डी चौंपियनशिप–2026 में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी (इंटरनेशनल टेक्निकल ऑफिशियल) के रूप में नामित किया गया है। इस उपलब्धि से जिले के शिक्षा और खेल जगत में खुशी की लहर है। राहुल तोमर विकासखंड कलान के कंपोजिट विद्यालय गुल्लाह में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) की ओर से जारी पत्र के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जय शंकर श्रीवास्तव ने उन्हें 19 अक्टूबर से दो नवंबर 2026 तक कार्यमुक्त करने का पत्र जारी किया है। प्रथम कॉमनवेल्थ कबड्डी चौंपियनशिप का आयोजन 21 से 30 अक्टूबर तक गुजरात के अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर स्टेडियम में किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में राहुल तोमर मैचों के संचालन और तकनीकी व्यवस्थाओं से जुड़ी जिम्मेदारियां निभाएंगे। जिले से इस स्तर पर तकनीकी अधिकारी के रूप में चयनित होने की उनकी उपलब्धि को खेल जगत में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जय शंकर श्रीवास्तव ने राहुल तोमर को बधाई देते हुए कहा कि यह शाहजहांपुर जिले और बेसिक शिक्षा विभाग के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राहुल की इस उपलब्धि से जिले के खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और कबड्डी के विकास को बढ़ावा मिलेगा। राहुल तोमर की उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी एसपी बमनिया, जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष डॉ. संजीव कनौजिया, विश्वनाथ प्रताप सिंह, मुदित सेठ, प्रेमपाल सिंह, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विनय गुप्ता, सचिव नरेंद्र त्यागी, जिला खो–खो संघ एवं शतरंज खेल संघ के सचिव विपिन अग्निहोत्री और सचिन प्रेमी सहित खेल जगत से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत छात्राओं ने किया महेवा पुलिस चौकी का भ्रमण

संवाददाता

महेवा (इटावा)। महिला सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय मेहंदीपुर की छात्राओं को शनिवार को थाना बकेवर क्षेत्र की महेवा पुलिस चौकी का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली, महिला सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

महेवा चौकी इंचार्ज रजनीश तिवारी ने छात्राओं को प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराने की प्रक्रिया, विभिन्न पुलिस सहायता एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही गुड टच और बैड टच के विषय में समझाते हुए छात्राओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा किसी भी असहज स्थिति में बिना झिझक अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस को जानकारी देने के लिए प्रेरित किया।

भ्रमण में कक्षा आठ की छात्रा कामिनी, कक्षा सात की रूही माथुर व रिया यादव तथा कक्षा छह की अनुष्का और राशि ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने पुलिस चौकी की कार्यप्रणाली को नजदीक से जाना और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अंबरीश कुमार यादव एवं सहायक अध्यापक अंकित श्रीवास्तव मौजूद रहे।

खड़े डंपर में घुसी वैन चालक की मौत,केबिन में फंसे ड्राइवर को पुलिस ने निकाला

उरई / जालौन,संवाददाता। जालौन के सिरसा कलार थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक सड़क हादसे में चालक की जान चली गई। जोल्हुपुर–मदारीपुर मार्ग पर जहटौली गांव के पास सड़क किनारे धुलाई के लिए खड़े डंपर में तेज रफ्तार वैन पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद वैन में फंसे चालक के शव को बाहर निकलवाया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्राम जखा निवासी इंद्रसेन चौहान (30) वैन चलाकर परिवार का भरण–पोषण करता था। शनिवार रात करीब 10 बजे वह सवारियों को छोड़ने के बाद अकेले अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान जहटौली गांव के पास उसकी वैन सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई। प्रत्यक्ष जानकारी के मुताबिक,

डंपर सड़क किनारे धुलाई के लिए खड़ा था।

इसी दौरान तेज रफ्तार वैन पीछे से उसमें जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक वैन में बुरी तरह फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे की सूचना मिलने पर सिरसा कलार थाना प्रभारी वरुण प्रताप पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद वैन में फंसे चालक के शव को बाहर निकलवाया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इंद्रसेन की असमय मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार का भरण–पोषण करने वाले युवक की मौत से घर में मातम छा गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर काफी देर तक ग्रामीणों की भीड़ लगी रही। पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में हवन के साथ पूर्ण हुआ नवरात्र महाष्टमी का अनुष्ठान

संवाददाता

'गोरखपुर। शारदीय नवरात्र की महाष्टमी के अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरक्षपीठ की विशिष्ट परंपरानुसार वैदिक विधि विधान से महानिशा पूजन किया।उन्होंने जगतजननी मां आदिशक्ति के अष्टम स्वरूप मां महागौरी की आराधना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि और चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की।

रविवार को गोरखपुर आगमन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। परंपरा का निर्वहन करते हुए उन्होंने सबसे पहले शिवावतार बाबा गोरखनाथ के मुख्य मंदिर में जाकर दर्शन–पूजन किया। इसके बाद गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। देर रात तक महानिशा पूजा में लीन रहे।

गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। उनके गर्भगृह में प्रवेश करते ही शक्तिपीठ वैदिक मंत्रोच्चार और मां भगवती के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। दो घंटे से अधिक चले अनुष्ठान में गोरक्षपीठाधीश्वर ने गौरी गणेश पूजन, वरुण पूजन, पीठ पूजन, यंत्र पूजन, मां दुर्गा का विधिवत् पूजन, भगवान राम–माता सीता–लक्ष्मण जी का षोडशोपचार पूजन, भगवान कृष्ण एवं गोमाता का पूजन, नवग्रह पूजन, विल्व पूजन,अधिष्ठात्री देवता पूजन, शस्त्र पूजन, द्वादश ज्योर्तिलिंग–अर्धनारीश्वर एवं शिव–शक्ति पूजन, बटुक भैरव, काल भैरव तथा त्रिशूल पर्वत पूजन किया। साथ ही हवन की वेदी पर ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र और अग्नि देवता का आह्वान कर पूजन किया और शक्तिपीठ में स्थापित वेदी पर उगे जौ के पौधों को काटकर आदिशक्ति मां दुर्गा से समस्त नागरिकों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की।सम्पूर्ण अनुष्ठान श्रीदुर्गासप्तसती के पाठ एवं वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गोरखनाथ मंदिर में भक्तगण उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा बंगीय समाज की दुर्गा पूजा में उमड़े श्रद्धालु, 19 अक्टूबर को होगी कुमारी पूजा

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा बंगीय समाज की ओर से आयोजित वार्षिक दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ 18 अक्टूबर को महाषष्ठी के अवसर पर पारंपरिक रीति–रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ। मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा, आकर्षक पूजा पंडाल और पारंपरिक बंगाली सजावट नेश्रद्धालुओं को आकर्षित किया। महोत्सव के दूसरे दिन 17 अक्टूबर को महा सप्तमी पर पूजा–अर्चना, पुष्पांजलि, भोग वितरण और आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महा सप्तमी पर सुबह विधि–विधान से मां दुर्गा की पूजा की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर मां का आशीर्वाद लिया। दोपहर में मां को अर्पित भोग श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। इस दौरान लोगों ने पारंपरिक बंगाली व्यंजनों का आनंद लिया।

शाम को आयोजित आरती में भी श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजा परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान प्रत्येक शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, संगीत, नृत्य और कलात्मक परंपराओं की झलक देखने को मिल रही है। यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ–साथ विभिन्न समुदायों के लोगों को एक मंच पर लाने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने का माध्यम भी बन रहा है।महोत्सव का प्रमुख आकर्षण 19 अक्टूबर को होने वाली कुमारी पूजा होगी। बंगाली परंपरा में विशेष धार्मिक महत्व रखने वाली इस पूजा में कन्या को देवी शक्ति के प्रतीक के रूप में पूजित किया जाता है। इसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। ग्रेटर नोएडा बंगीय समाज की ओर से आयोजित यह महोत्सव क्षेत्र में बंगाली संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ ही प्रेम, सद्भाव और सामुदायिक एकता का संदेश दे रहा है।

पंजाब में शाहजहांपुर के चाचा-भतीजे पर तलवार और चाकू से हमला

शाहजहांपुर,संवाददाता। पंजाब के कपूरथला जिले में इंटरलॉकिंग प्लांट पर काम करने गए शाहजहांपुर के चाचा–भतीजे पर हमलावरों ने तलवार और चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में 17 वर्षीय भतीजे रजनीश की मौत हो गई, जबकि उसके चाचा ओमपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल ओमपाल को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुवायां क्षेत्र के इमलिया गांव में परिवार में चीख–पुकार मच गई। पुवायां थाना क्षेत्र के इमलिया गांव निवासी रजनीश अपने पिता राजकुमार, चचेरे भाई विकास, चाचा ओमपाल, दुर्वेश और विकास की पत्नी अंशिका के साथ दो सितंबर को पंजाब के कपूरथला जिले के थाना प्लस क्षेत्र के बजाजा गांव स्थित इंटरलॉकिंग प्लांट पर काम करने गया था। उनके साथ शाहजहांपुर के सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र का रहने वाला गीतेश भी था। परिजनों के मुताबिक, प्लांट मालिक का कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। शनिवार दोपहर करीब दो बजे कुछ हमलावर प्लांट पर पहुंचे और मालिक से विवाद करने लगे। मालिक को बचाने के लिए रजनीश और उसके चाचा ओमपाल आगे आ गए। दोनों ने हमलावरोंका विरोध किया तोआरोपितों ने उन पर तलवार और चाकुओं से हमला कर दिया।

करिश्मा तलवार संग रोमांटिक एडिट्स बनाने वालों पर भड़के प्रिंस नरूला

प्रिंस नरूला ने फैंस से अपील की है कि वे उनके और करिश्मा तलवार के रोमांटिक एडिट्स बनाना बंद करें। उन्होंने याद दिलाया कि वह शादीशुदा हैं और उनकी एक बेटी भी है। रियलिटी टीवी स्टार और एक्टर ने यह बात तब कही, जब रोडीज रीबर्थ में करिश्मा के साथ उनके फिर से जुड़ने के बाद, स्प्लिट्सविला 8 के दौरान उनके पुराने कनेक्शन की चर्चा फिर से शुरू हो गई। प्रिंस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करके फैंस से अपनी निजी जिंदगी का सम्मान करने को कहा। उन्होंने कहा कि फैंस उनके रियलिटी टीवी सफर के एडिट्स तो बना सकते हैं लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे करिश्मा के साथ उन्हें जोड़कर बनाए गए रोमांटिक वीडियो नहीं चाहते।अपने संदेश में, प्रिंस ने अपने परिवार के बारे में बात की और कहा कि वे नहीं चाहते कि उनकी बेटी बड़ी होकर ऐसे एडिट्स देखे। दोस्तों, आपसे एक विनम्र विनती है। आप मेरे बारे में एडिट्स बनाना चाहते हैं, तो ठीक है लेकिन कृपया याद रखें कि मेरी एक पत्नी और बेटी है। मैं अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुश हूं और नहीं चाहता कि मेरी बेटी बड़ी होकर ये बेमतलब के एडिट्स देखे। रियलिटी टीवी की दुनिया में मेरा सफर बहुत खूबसूरत रहा है। प्रिंस ने स्प्लिट्सविला 8 के दौरान करिश्मा के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि शो में उनके रिश्ते को कुछ एडिट्स के जरिए गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। स्प्लिट्सविला के दर्शक अच्छी तरह जानते हैं कि वह विला में सिर्फ एक कनेक्शन थी, न कि कोई एक्स, जैसा कि दिखाया जा रहा है।

स्प्लिट्सविला के आठवें सीजन में प्रिंस और करिश्मा की जोड़ी बनी थी। रोडीज रीबर्थ के ऑडिशन राउंड में करिश्मा के आने के बाद, उनके पुराने जुड़ाव की चर्चा फिर से शुरू हो गई। इस एपिसोड के दौरान, होस्ट रणविजय सिंघा ने दोनों को स्प्लिट्सविला 8 में उनके कनेक्शन की याद दिलाई, जिसे प्रिंस ने भी माना। करिश्मा ने मजाक में प्रिंस पर आरोप लगाया कि उसने उसे इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसे लगा कि करिश्मा ने उसे 599 रुपये में बेच दिया था। इस मुलाकात के बाद फैंस को डेटिंग रियलिटी शो में बिताया गया उनका समय याद आ गया और कुछ लोगों ने दोनों के रोमांटिक वीडियो एडिट भी बनाए। प्रिंस का हालिया संदेश तब आया है, जब उन्होंने दर्शकों से अपने पुराने रियलिटी टीवी शो और अपनी मौजूदा पारिवारिक जिंदगी के बीच फर्क समझने को कहा है। यह नया सीजन एमटीवी रोडीज ग्ग्रू डबल क्रॉस के फिनाले के बाद आया है, जिसमें एल्विश यादव की टीम के सदस्य कुशल तंवर (उर्फ गुल्लू) ने खिताब जीता। फाइनल टास्क में प्रिंस नरूला के गैंग के हरताज सिंह गिल पहले रनर–अप रहे। गिल ने टास्क को 1 मिनट 48 सेकंड में पूरा किया, जबकि गुल्लू ने इसे 1 मिनट 16 सेकंड में पूरा कर लिया। खिताब जीतने के सफर में गुल्लू ने ऋषभ सचदेवा, प्रिया शर्मा और आरडी डेढ़ा को भी हराया।

जेलर 2 ने 2 दिन में दुनियाभर में कमाए 210 करोड़ से ज्यादा

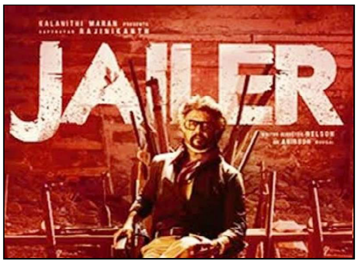

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत फिल्म जेलर 2 ने रिलीज के दो दिनों में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 210.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है, जिन्होंने 2023 में रिलीज हुई पहली फिल्म का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे श्सन पिक्चर्सश बैनर तले कलानिधि ने प्रोड्यूस किया है। ट्रेड ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 125.25 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 85. 4 करोड़ रुपये की कमाई की। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 113.65 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जेलर फिल्म रजनीकांत के किरदार, रिटायर हो चुके जेलर मुथुवेल पांडियन के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपनी वर्दी उतारने के बाद अपने परिवार के साथ एक शांत जीवन बिता रहे होते हैं।

बाद में, उनका बेटा–जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है और मूर्तियों की तस्करी करने वाले एक गिरोह की जांच कर रहा है–लापता हो जाता है और माना जाता है कि उसकी मौत हो गई है। जेलर 2 में पांडियन की कहानी आगे बढ़ती है, जिन्हें अपने परिवार की रक्षा करनी पड़ती है और अपने अतीत के सामने आने के बाद, वैश्विक स्तर पर फैले एक खतरनाक अंडरवर्ल्ड साम्राज्य का सामना करना पड़ता है।रजनीकांत के अलावा, इस फिल्म में विद्या बालन, एस. जे. सूर्या, राम्या कृ ष्णन और सूरज वेंजारामूडु भी हैं। इसके साथ ही, फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार और ऋतिक रोशन जैसे कलाकारों के कैमियो (छोटी भूमिकाएं) भी हैं।

प्यार में इतने पागल थे आमिर खान

अभिनेता आमिर खान ने एक बार एक लड़की के ठुकराने पर अपना सिर मुंडवा लिया था और वह भी अपने बॉलीवुड डेब्यू से ठीक पहले। शुरुआत में लोगों को लगा कि उन्होंने ऐसा अपने किसी आने वाले प्रोजेक्ट के लिए किया है लेकिन रेंडेवू विद सिमी गरेवाल शो में आमिर ने इसके पीछे की असली वजह बताई। आमिर ने दिग्गज अभिनेत्री से कहा, बहुत से लोगों को लगता है कि मैंने किसी फिल्म के लिए अपना सिर मुंडवाया था, जबकि असल में मैंने किसी और वजह से ऐसा किया था। सितारे जमीन पर के अभिनेता ने बताया कि उन्होंने एक लड़की के यह कहने पर अपना सिर मुंडवा लिया था कि वह उनसे प्यार नहीं करती। आमिर ने याद करते हुए बताया, मैं उस लड़की को खो बैठा जिससे मैं प्यार करता था। एक दिन उसने मुझसे कहा कि वह मुझसे प्यार नहीं करती और इसी बात पर मैंने अपना सिर मुंडवा लिया। यह काफी बचकाना और अपरिपक्व हरकत थी, लेकिन उस समय मैंने ऐसा ही किया था। फिर जब केतन ने मुझे मिलने के लिए बुलाया, तो मैं उनके पास गया और उन्होंने पूछा, तुम्हारे बाल कहां गए ?जब सिमी ने कहा कि आमिर एक बहुत ही गहरे प्रेमी हैं, तो आमिर ने जवाब दिया, हां, शायद ऐसा ही है। सुनकर तो ऐसा ही लगता है। रिश्ता क्यों नहीं चल पाया, इस बारे में और जानकारी देते हुए आमिर ने कहा, अगर आप काफी समय तक किसी रिश्ते में रहते हैं और आपको पता चलता है कि सामने वाली लड़की आपसे प्यार नहीं करती या आपकी कद्र नहीं करती, तो मैं उसके इस फैसले का पूरा सम्मान करता हूं। आज भी मैं उसके उस फैसले की इज्जत करता हूं। आमिर की लव लाइफ की बात करें तो, उन्होंने इस साल 5 जुलाई को अपनी प्रेमिका गौरी स्प्राट से तीसरी बार शादी की। आमिर ने सबसे पहले रीना दत्ता से शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे हैं–बेटा जुनैद और बेटी इरा खान।

यामी गौतम की 'नई नवेली' ने 2 दिनों में दुनियाभर में कमाए 10.3 करोड़ रुपये

यामी गौतम स्टारर फिल्म 'नई नवेली' बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत करती नजर आ रही है। फैंटेसी और फैमिली एंटरटेनमेंट से भरपूर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन कमाई में बढ़त दर्ज की है। फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 4.6 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि दूसरे दिन 5.7 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन दो दिनों में 10.3 करोड़ रुपये हो गया है। मेकर्स को उम्मीद है कि त्योहारों के सीजन में फिल्म को परिवारों का अच्छा साथ मिलेगा। 'नई नवेली' की दूसरे दिन की कमाई में आई बढ़त से मेकर्स को आने वाले दिनों के लिए उम्मीदें हैं। फिल्म की कहानी, फैंटेसी से भरी दुनिया और यामी गौतम के नए अवतार को दर्शकों के सामने इसकी खासियत के तौर पर पेश किया जा रहा है। फिल्म में महाकाव्य की कहानी को पारिवारिक भावनाओं और एक्शन के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म में अनोखे किरदार, अप्रत्याशित ट्विस्ट और अच्छाई–बुराई के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है। यही वजह है कि इसे फैमिली एंटरटेनर के तौर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है। फिल्म में यामी गौतम अवस्थी परिवार की कहानी को पर्दे पर पेश कर रही हैं। उनके साथ आदिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

फिल्म का निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। इसका संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। अमेजन एमजीएम स्टूडियो और कलर येलो के बैनर तले बनी 'नई नवेली' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की शुरुआती कमाई में दूसरे दिन दर्ज हुई बढ़त ने इसके बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर दिलचस्पी बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में फिल्म दर्शकों को कितना आकर्षित कर पाती है और इसकी कमाई किस रफ्तार से आगे बढ़ती है।

शराब-धूम्रपान जितनी घातक है सोशल मीडिया की लत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए साल 2026 काफी महंगा साबित हुआ है। मार्च से लेकर अब तक, यूट्यूब और मेटा (इंस्टाग्राम और फेसबुक की पैरेंट कंपनी) को कई मुकदमों में 17 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की रकम चुकानी पड़ी है या समझौता करना पड़ा है। इन पर आरोप है कि इन्होंने लापरवाही बरती, अपने प्लेटफॉर्म्स को जानबूझकर इस तरह डिजाइन किया कि बच्चे इनकी लत लगा बैठें, और सुरक्षा तथा प्राइवेसी के मामले में जनता को गुमराह किया।

बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

इन मुकदमों के अलावा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने कारोबार में भी नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योंकि दुनिया भर में नाबालिगों के लिए प्रतिबंध लगाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया उन शुरुआती देशों में से एक है, जिसने दिसंबर 2025 से सोशल मीडिया पर 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंध लागू किया है। जोनाथन हैड्ट की 2024 में आई किताब द एंग्जियस जनरेशन के बाद से, सोशल मीडिया की आलोचना करने वालों ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर काफी ध्यान देना शुरू कर दिया है। हैड्ट का तर्क है कि सोशल मीडिया बच्चों के सामाजिक और न्यूरोलॉजिकल (दिमागी) विकास में बाधा डालता है। इससे नींद की कमी, ध्यान भटकना, लत लगना, अकेलापन, दूसरों से तुलना करना और हर चीज में पूर्णता (परफेक्शन) की चाह जैसी समस्याएं पैदा होती हैं, जो आगे चलकर एंग्जायटी (चिंता) और डिप्रेशन (अवसाद) को बढ़ाती हैं। सोशल मीडिया और स्क्रीन टाइम का बढ़ता इस्तेमाल, बच्चों और किशोरों के लिए पहले से ही मुश्किल चल रहे इस दौर को और भी कठिन बना रहा है।

इन चिंताओं को देखते हुए, कुछ शोधकर्ताओं का तर्क है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाना, शराब या सिगरेट खरीदने पर उम्र की पाबंदी लगाने जैसा ही है। लेकिन, शराब या सिगरेट जैसी लत लगाने वाली और नुकसानदेह चीजों के उलट, सोशल मीडिया के कुछ फायदे भी हैं। खासकर उन किशोरों के लिए जो अपने आस–पास के समुदाय से कटा हुआ महसूस करते हैं और ऐसे लोगों के साथ रिश्ते बनाना चाहते हैं जो उनकी तरह ही सोचते–महसूस करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दुनिया भर के लोगों से जुड़ने और समान सोच वाले समूहों के साथ समुदाय बनाने का मौका देते है। ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध के शुरुआती सबूत बताते हैं कि बच्चे इससे बचने के तरीके निकाल रहे हैं, 12–15 साल की उम्र के लगभग 61 प्रतिशत बच्चे फर्जी आईडी, अपना रूप बदलकर, या वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (टच्छ) का इस्तेमाल करके इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर रहे हैं, जबकि लाखों अकाउंट्स को बंद कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ देशों में, प्लेटफॉर्म्स को खुद ही यह तरीका खोजना होता है कि वे यूजर की उम्र की पुष्टि कैसे करें। कुछ नाबालिगों ने बायोमेट्रिक तकनीक (जो उम्र का अंदाजा लगाती है) को चकमा देने के लिए कई तरीके अपनाए हैं जैसे फोटो में हेरफेर करना, मशहूर हस्तियों की फोटो लगाना, होशियारी से मेकअप करना, या यहां तक कि अपने बड़े दोस्तों और माता–पिता की मदद से सेल्फी टेस्ट पास कर लेना। कुछ बच्चे रजिस्ट्रेशन के समय अपनी जन्मतिथि बदल देते हैं, या फिर परिवार के किसी सदस्य के ऐसे अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं जो पहले से ही किसी वयस्क के नाम पर वेरिफाइड है।

धन और खुशहाली के लिए दिवाली से पहले घर लाएं ये 5 पौधे, दौड़ी चली आएगी सुख–समृद्धि!

दिवाली का त्योहार रोशनी, खुशहाली और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस खास मौके पर लोग घर की साफ–सफाई और सजावट के साथ ऐसी चीजें भी घर लाते हैं, जिन्हें सुख–समृद्धि और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। फेंगशुई की मान्यताओं के अनुसार, कुछ खास पौधे धन, तरक्की और सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक माने जाते हैं। जेड प्लांट से लेकर लकी बैम्बू तक, इन पौधों को घर या ऑफिस में रखने से हरियाली और सुंदरता बढ़ती है। मान्यता है कि इन्हें सही दिशा में रखने से समृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण बन सकता है। आइए जानते हैं दिवाली से पहले घर लाने के लिए 5 फेंगशुई पौधों के बारे में और इन्हें किस दिशा में रखना बेहतर माना जाता है।

जेड प्लांट को फेंगशुई में धन, सौभाग्य और आर्थिक उन्नति का प्रतीक माना जाता है। इसकी मोटी, गोल और हरी पत्तियां सिक्कों जैसी दिखाई देती हैं, इसलिए इसे समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। यह पौध ा घर और ऑफिस दोनों के लिए अच्छा विकल्प है। मान्यता के अनुसार, इसे घर या ऑफिस की दक्षिण–पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इसे कार्यस्थल की मेज पर भी रखा जा सकता है, बशर्ते वहां पर्याप्त रोशनी आती हो।

ऐसे करें देखभालः जेड प्लांट को तेज लेकिन अप्रत्यक्ष रोशनी या कुछ परिस्थितियों में हल्की सीधी धूप पसंद होती है। इसकी मिट्टी सूखने के बाद ही पानी दें, क्योंकि ज्यादा पानी से इसकी जड़ें सड़ सकती हैं। मनी ट्री का वैज्ञानिक नाम Pachira aquatica है। इसका तना अक्सर गुंथा हुआ होता है और इसकी हरी पत्तियां इसे आकर्षक रूप देती हैं। फेंगशुई की मान्यताओं में इसे आर्थिक स्थिरता, तरक्की और व्यावसायिक सफलता का प्रतीक माना जाता है। इसे घर, ऑफिस या कार्यस्थल पर रखा जा सकता है। पारंपरिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण–पूर्व दिशा को धन और समृद्धि से जोड़ा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी ट्री रखना शुभ माना जाता है।

देखभालः इसे ऐसी जगह रखें जहां पर्याप्त अप्रत्यक्ष रोशनी मिले। मिट्टी में पानी जमा न होने दें और जरूरत के अनुसार ही सिंचाई करें।

लकी बैम्बू को फेंगशुई में सौभाग्य, खुशहाली और करियर में तरक्की का प्रतीक माना जाता है। इसके डंठलों की संख्या को भी अलग–अलग मान्यताओं से जोड़ा जाता है। उदाहरण के लिए, तीन डंठल खुशी और आठ डंठल ध ान–संपन्नता का प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि, ये पारंपरिक मान्यताएं हैं, वैज्ञानिक रूप से सिद्ध परिणाम नहीं। इसे घर या ऑफिस की पूर्व अथवा दक्षिण–पूर्व दिशा में रखा जा सकता है। इसकी सुंदर बनावट घर की सजावट को भी आकर्षक बनाती है।

ऐसे करें देखभालरू लकी बैम्बू को पानी या मिट्टी में उगाया जा सकता है। पानी में रखने पर इसे नियमित रूप से बदलें और साफ बर्तन का इस्तेमाल करें। इसे तेज सीधी धूप से बचाएं।

गोल्डन पोथोस एक लोकप्रिय इनडोर पौधा है। इसकी हरी पत्तियों पर पीले रंग के निशान होते हैं और इसकी बेल तेजी से फैल सकती है। फेंगशुई की मान्यताओं में इसे विकास, विस्तार और नई शुरुआत से जोड़ा जाता है। यदि आप घर या ऑफिस में हरियाली बढ़ाना चाहते हैं, तो यह अच्छा विकल्प हो सकता है। पारंपरिक मान्यता के अनुसार, इसे पूर्व या दक्षिण–पूर्व दिशा में रखा जा सकता है।

ऐसे करें देखभालः यह पौधा अप्रत्यक्ष रोशनी में अच्छी तरह बढ़ता है। पानी देने से पहले मिट्टी की ऊपरी सतह जांच लें और जरूरत से ज्यादा पानी न डालें। ध्यान दें कि पोथोस पालतू जानवरों के लिए विषैला हो सकता है, इसलिए इसे उनकी पहुंच से दूर रखें। स्नेक प्लांट की लंबी, सीधी और मजबूत पत्तियां इसे घर की सजावट के लिए खास बनाती हैं। फेंगशुई में इसे सुरक्षा, मजबूती और निरंतर विकास का प्रतीक माना जाता है। यह पौधा कम देखभाल में भी अच्छी तरह बढ़ सकता है। इसे लिविंग रूम, स्टडी रूम या ऑफिस में रखा जा सकता है। कुछ फेंगशुई मान्यताओं में दक्षिण–पूर्व दिशा को समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन पौध ो की सही जगह का चुनाव कमरे की रोशनी और उपलब्ध स्थान के अनुसार करना चाहिए।

ऐसे करें देखभालः स्नेक प्लांट को कम से मध्यम रोशनी में रखा जा सकता है। इसकी मिट्टी सूखने के बाद ही पानी दें, क्योंकि अधिक नमी इसकी जड़ों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह पौधा भी पालतू जानवरों के लिए विषैला हो सकता है।

धन और समृद्धि के लिए पौधे

किस दिशा में रखें?

फेंगशुई की मान्यताओं के अनुसार, घर की दक्षिण–पूर्व दिशा को धन और समृद्धि से संबंधित माना जाता है। इसलिए कई लोग इस दिशा में जेड प्लांट और मनी ट्री जैसे पौधे रखते हैं। लकी बैम्बू को पूर्व या दक्षिण–पूर्व दिशा में रखने की परंपरा भी प्रचलित है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि पौधों को किसी खास दिशा में रखने से धन या सफलता मिलने का वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इन्हें अपनी पसंद, घर की सजावट और पौधों की जरूरतों के अनुसार रखें। पर्याप्त रोशनी और उचित देखभाल पौधों को स्वस्थ रखने में ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

दिवाली पर पौधों की देखभाल करते समय इन बातों का रखें ध्यान

सही रोशनी देंरू पौधों की प्रजाति के अनुसार रोशनी चुनें। अधिकतर इनडोर पौधे तेज अप्रत्यक्ष रोशनी में अच्छी तरह बढ़ते हैं।

पानी सोच–समझकर देंः हर पौधे को रोज पानी देने की जरूरत नहीं होती। पानी डालने से पहले मिट्टी की नमी जांचें। सूखी पत्तियां हटाएंः नियमित रूप से पौधों की पत्तियों और तनों की जांच करें और सूखे या खराब हिस्सों को हटा दें।

गमले में निकासी की व्यवस्था रखेंः गमले में पानी निकलने के लिए छेद होना चाहिए, ताकि जड़ों में अतिरिक्त नमी जमा न हो।

पौधों को सही जगह रखेंः ऐसे स्थान चुनें जहां पौधों को उनकी जरूरत के अनुसार रोशनी, हवा और पर्याप्त जगह मिल सके।

नोटः दिवाली से पहले जेड प्लांट, मनी ट्री, लकी बैम्बू, गोल्डन पोथोस और स्नेक प्लांट घर की सजावट और हरियाली बढ़ाने के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

मिडलर-ओबरलीट्नर, बिना एक भी सेट गंवाए जीता डबल्स खिताब

शंघाई। ऑस्ट्रियाई जोड़ी लुकास मिडलर,नीलओबरलीट्नर ने रविवार को फ्रांसिस्को कैब्राल और जेजे ट्रेसी के खिलाफ 6–3, 6–4 से जीत दर्ज करते हुए शंघाई मास्टर्स डबल्स का खिताब अपने नाम किया। ऑस्ट्रिया की इस जोड़ी ने एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए बगैर कोई सेट गंवाए सभी पांच मैच अपने नाम किए। किझोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी एरीना में खेले गए इस मुकाबले में, मिडलर और ओबरलीट्नर ने 66 मिनट में जीत दर्ज की। उन्होंने हर सेट में एक–एक बार अपने विरोधियों की सर्विस ब्रेक की। इसके अलावा, मिडलर और ओबरलीट्नर मास्टर्स 1000 सीरीज (जो 1990 में शुरू हुई थी) में खिताब जीतने वाली पहली पूरी तरह से ऑस्ट्रियाई जोड़ी बन गई है। शंघाई में मिली यह सफलता उनके साथ खेले गए केवल दूसरे टूर्नामेंट में ही हासिल हुई। टोक्यो में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद, इस जोड़ी ने उसी लय को चीन में भी बरकरार रखा और ऐसा प्रदर्शन किया जिसने उनकी अपनी उम्मीदों को भी पीछे छोड़ दिया।

फाइनल मैच में ऑस्ट्रियाई खिलाड़ियों की सर्विस भी बहुत असरदार रहीय उन्होंने कैब्राल और ट्रेसी को अपनी सर्विस तोड़ने का कोई मौका नहीं दिया। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, मिडलर और ओबरलीट्नर ने अपनी पहली सर्विस पर 96 प्रतिशत अंक जीते। पुर्तगाली–अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ अपने पहले एटीपी हेड–टू–हेड मुकाबले में, उन्हें एक बार भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। मिडलर के लिए, शंघाई का यह खिताब उनके करियर के 14 एटीपी टूर डबल्स खिताबों में सबसे महत्वपूर्ण बन गया है। इस बीच, ओबरलीट्नर ने अपने करियर में एक और उपलब्धि जोड़ी है। अगस्त में पेट्र नौजा के साथ विंस्टन–सेलम खिताब जीतने के बाद, उन्होंने टूर–लेवल पर अपना दूसरा डबल्स खिताब हासिल किया है।

27 वर्षीय ओबरलीट्नर के लिए यह जीत बहुत मायने रखती है। उन्होंने खेल के सबसे बड़े मंचों में से एक पर अपनी क्षमता को सफलता में बदलने पर खुशी जताई। अपनी साझेदारी के दूसरे ही टूर्नामेंट में श्मास्टर्स 1000श खिताब जीतने के बाद, ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी ने कहा कि वह इस सफलता को आगे भी जारी रखना चाहते हैं।

साउथ अफ्रीका में वेदांता का धमाका!

एजेंसी, नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल (।दपस ।हतूंस छमू) की वेदांता ने रविवार को बताया कि वेदांता लिमिटेड ने अपने गैम्सबर्ग प्रोजेक्ट के दूसरे फेज मेंलगभग 600 मिलियन डॉलर का निवेश करके दक्षिण अफ्रीका में अपनी सालाना जिंक उत्पादन क्षमता को दोगुना कर 500,000 टन कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और वेदांता की डायरेक्टर प्रिया अग्रवाल–हेब्बर ने नॉर्दर्न केप प्रांत के गैम्सबर्ग में इस बढ़ी हुई क्षमता का उद्घाटन किया। यह विस्तार वेदांता के उस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी भारत और दक्षिण अफ्रीका को मिलाकर सालाना 3 मिलियन टन जिंक का उत्पादन करना चाहती है।वेदांता का लक्ष्य अपनी सब्सिडियरी कंपनी हिंदुस्तान जिंक (जो दुनिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक कंपनी है) के जरिए सालाना 2 मिलियन टन जिंक का उत्पादन करना है, जबकि वेदांता जिंक इंटरनेशनल का टारगेट सालाना 1 मिलियन का योगदान देना है। गैम्सबर्ग, वेदांता जिंक इंटरनेशनल की प्रमुख जिंक खदान है, जो दक्षिण अफ्रीका के नॉर्दर्न केप प्रोविंस में है। वेदांता ने इस क्षमता विस्तार को इस दशक में दक्षिण अफ्रीका में किए गए सबसे बड़े माइनिंग निवेशों में से एक बताया है।

छत्तीसगढ़ के खिलाफ पहली पारी में खामोश रहा शुभमन गिल का बल्ला

न्यू चंडीगढ़। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की रणजी ट्रॉफी में बहुप्रतीक्षित वापसी निराशाजनक रही। रविवार को यहां नए पीसीए स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ पंजाब के दूसरे दौर के एलीट ग्रुप बी मैच में बाएं हाथ के स्पिनर अजय मंडल ने उन्हें सिर्फ एक रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। विहान मल्होत्रा के धर्मेंद्रसिंह जडेजा द्वारा एलबीडब्ल्यू आउट किए जाने के बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए गिल केवल 5 गेंदों तक टिक सके। 27वें ओवर की तीसरी गेंद पर अजय मंडल ने उन्हें छकाया, गेंद सीधी रही और बल्ले और पैड के बीच से निकलकर सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। 27 वर्षीय गिल ने असम के खिलाफ पंजाब का इस सीजन का पहला मैच नहीं खेला था, लेकिन न्यूजीलैंड दौरे से पहले लाल गेंद क्रिकेट की प्रैक्टिस के लिए वह छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच में खेलने उतरे। हालांकि, गिल टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह न्यूजीलैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम में शामिल हैं। इस दौरे में पांच टी20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे, जो वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से बहुत अहम हैं। इसके साथ ही, भारत की कोशिश वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की रेस में अपनी उम्मीदें बनाए रखने की भी होगी। हालांकि, गिल केवल 3 वनडे मैच ही खेलेंगे और आखिरी 2 मैचों में नहीं खेलेंगे, ताकि वह क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अच्छी तरह तैयारी कर सकें। दूसरी ओर, अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पालम के एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में सर्विसेज के खिलाफ बंगाल के मौजूदा मैच में नहीं खेल रहे हैं। शमी ने शनिवार को बंगाल की टीम के साथ ट्रेनिंग की थी लेकिन उनके इस मैच से बाहर रहने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

उनकी जगह उनके छोटे भाई मोहम्मद कैफ को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है। शमी ने कल्याणी में दिल्ली के खिलाफ बंगाल के पहले मैच में शानदार शुरुआत की थी, जहां उन्होंने कुल 5 विकेट लिए थे। बंगाल की टीम में तेज गेंदबाज आकाश दीप और मुकेश कुमार भी नहीं थे, जो रेड–बॉल सीरीज के लिए भारत श्एश टीम का हिस्सा बनने न्यूजीलैंड गए हैं। शमी पिछले और मौजूदा घरेलू सीजन में बंगाल के लिए लगातार खेलते रहे हैं। वह ईस्ट जोन की उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने दिलीप ट्रॉफी 2026–27 जीती थी। हालांकि, 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के बाद से वह भारत के लिए नहीं खेले हैं और न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए भी उन्हें एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया है।

वेस्टइंडीज के बाद अब न्यूजीलैंड से भिड़ेगी टीम इंडिया, कीवियों से हिसाब बराबर करना चाहेगा भारत, जानें दौरे की पूरी जानकारी

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद अब टीम इंडिया को न्यूजीलैंड का दौरा करना है। साल 2022 के बाद भारतीय टीम पहली बार कीवियों की धरती पर कोई सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम इस बार पांच मैचों की टी20 और उतने ही मैचों की वनडे सीरीज में कीवी टीम का सामना करेगी। इसके बाद दोनों टीमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज में एक–दूसरे के आमने–सामने होंगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में भी भारत को कठिन चुनौती मिली। ऐसे में न्यूजीलैंड की धरती पर भारत के लिए सीरीज जीतना आसान नहीं होने वाला है। बता दें कि टीम इंडिया का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से होगी, जहां पहले पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी धरती पर वनडे और टेस्ट सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। कीवी टीम ने इसी साल की शुरुआत में भारत का दौरा किया था, जहां उन्होंने तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2–1 से अपने नाम कर लिया था। ऐसे में भारतीय टीम वनडे सीरीज को अपने नाम कर ब्लैककैप्स से अपना बदला पूरा करना चाहेगी। दूसरी तरफ 2024 में न्यूजीलैंड ने भारत को टेस्ट सीरीज में 3–0 से हराया था।

भारतीय टीम दो मैचों में भी न्यूजीलैंड का सूपड़ा साफ कर अपना बदला पूरा करना चाहेगी। भारत ने जब आखिरी बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेली

थी, तो उन्हें 0–2 से हार मिली थी, जो 2019–20 में खेली गई थी। इसके बाद 2022 में टीम इंडिया ने वनडे और टी20 सीरीज के लिए कीवियों का दौरा किया था, जहां तीन मैचों की टी20 सीरीज को भारत ने 1–0 से अपने नाम किया था। इसके अलावा वनडे सीरीज को ब्लैककैप्स ने 1–0 से जीती थी।

इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड टी20 सीरीज का शेड्यूल–
पहला टी20 – 22 अक्टूबर 2026, क्राइस्टचर्च
दूसरा टी20 – 24 अक्टूबर 2026, क्राइस्टचर्च
तीसरा टी20 – 27 अक्टूबर 2026, वेलिंग्टन
चौथा टी20 – 30 अक्टूबर 2026, ऑकलैंड
पांचवां टी20 – 1 नवंबर 2026, हैमिल्टन

इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का शेड्यूल–
पहला वनडे – 4 नवंबर 2026, हैमिल्टन
दूसरा वनडे – 7 नवंबर 2026, वेलिंग्टन
तीसरा वनडे – 10 नवंबर 2026, हैमिल्टन
चौथा वनडे – 13 नवंबर 2026, माउंट माउंगानुई
पांचवां वनडे – 15 नवंबर 2026, माउंट माउंगानुई

इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज का शेड्यूल–
पहला टेस्ट – 19–23 नवंबर 2026, वेंलिंग्टन
दूसरा टेस्ट – 27 नवंबर–1 दिसंबर 2027, क्राइस्टचर्च

टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वाड
श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप–कप्तान), शिवम दुबे अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

पहले तीन वनडे मैचों के लिए स्क्वाड
शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप–कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा', कुलदीप यादव।

एकता बिश्नोई का वर्ल्ड मास्टर्स क्लासिक पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप में जलवा

रेनो भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी एकता बिश्नोई ने यूनाइटेड स्टेट्स में वर्ल्ड मास्टर्स क्लासिक पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप में तीन गोल्ड मेडल जीतकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एकता ने कुल 362.5 किलोग्राम वजन उठाकर शानदार प्रदर्शन किया और जापान व कनाडा की मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वह मास्टर्स–2 कैटेगरी में इस चौंपियनशिप का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला पावरलिफ्टर बन गई हैं। एकता एक आईआरएस अधिकारी के तौर

पर अपनी हाई–स्टेक्स सरकारी जिम्मेदारियों के साथ–साथ कड़ी पावरलिफ्टिंग ट्रेनिंग भी कर रही हैं। मुश्किलों के अलावा, टूर्नामेंट से ठीक पहले भारतीय टीम के कोच सुनील कुमार को भी झटका लगा जब उनका यूएस वीजा रिजेक्ट कर दिया गया। चुनौतियों के सामने हार मानने के बजाय एकता ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को तेजी से ढाला। उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए अपने कोच सुनील से लगातार मार्गदर्शन लिया जबकि टीम अधिकारी बीनू इब्राहिम ने मौके पर रहकर जरूरी सहयोग प्रदान किया। इसी तालमेल और रणनीतिक तैयारी की बदौलत एकता ने इतिहास रचते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इस उपलब्धि के पीछे की रणनीति पर बात करते हुए कोच सुनील ने बताया कि उन्होंने वैज्ञानिक और परिणाम–केंद्रित कोचिंग पद्धति अपनाई, जिससे प्रतियोगिता के दौरान सही फैसले लेने और प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिली। कुमार ने कहा, हमारी रणनीति एकदम साफ थी। स्क्वाट इवेंट के खत्म होने तक हमने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी पर पहले ही 20 किलोग्राम की निर्णायक बढ़त बना ली थी। एकता ने बेंच प्रेस इवेंट के जरिए इस अहम बढ़त को सफलतापूर्वक बनाए रखा। आखिर में 150 किलोग्राम के सफल शुरुआती डेडलिफ्ट के साथ एकता ने भारत के लिए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। एकता नयी दिल्ली के नेताजी जिम में कोच सुनील की देखरेख में ट्रेनिंग करती हैं। एकता की जीत पर सोचते हुए उनके पार्टनर अजय तोमर ने कहा, वर्ल्ड चौंपियनशिप से पहले हमारी तैयारी पूरी और पूरी थी। हमारा एक ही लक्ष्य थारू अपनी मातृभूमि, भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतना।

सोने-चांदी में आएगी उछाल या चमक पड़ेगी फीकी? दीवाली से पहले ऐसा रह सकता है बुलियन मार्केट

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों के 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने और रुपये की चाल से आने वाले सप्ताह में सोने और चांदी की कीमतों में उतार–चढ़ाव बना रह सकता है। विश्लेषकों ने यह राय जताई। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर शुरुआत में चीन के आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी, जो औद्योगिक धातुओं और चांदी के लिए अहम हैं।

इसके बाद अमेरिका के आवास संबंधी आंकड़ों, उपभोक्ता धारणा, मुद्रास्फीति की उम्मीदों और भारत, ब्रिटेन तथा अमेरिका सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़ों पर नजर रहेगी।

दशहरा के कारण मंगलवार को सुबह के सत्र में जिंस बाजार बंद रहेंगे। ब्रोकरेज मंच लेमॉन के शोध प्रमुख गौरव गर्ग ने कहा, "हमें इस सप्ताह कीमतों में सीमित दायरे में उतार–चढ़ाव की उम्मीद है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर इसके असर से बाजार में अनिश्चितता बनी रहेगी, जिससे सोने और चांदी में उतार–चढ़ाव जारी रह सकता है।"

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ने से ऊर्जा की ऊंची कीमतों के कारण मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है, जो सोने–चांदी की कीमतों में तेजी को सीमित कर सकती है। हालांकि, अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर प्रतिफल में नरमी से इन धातुओं को कुछ समर्थन मिल सकता है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर में आपूर्ति वाले सोने का वायदा भाव बीते सप्ताह 3,581 रुपये यानी 2.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1. 47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, चांदी 14,568 रुपये यानी 6.4 प्रतिशत टूटकर 2.11 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। गर्ग ने कहा कि रुपये में मजबूती के कारण घरेलू बाजार में सोने की कीमत 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे आ गई। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों का अंतर बढ़ गया। उन्होंने कहा, "कीमतों में गिरावट की मुख्य वजह मुद्रा में बदलाव रहा भारतीय रुपया पांच कारोबारी सत्रों में 96.8 के स्तर से मजबूत होकर 94.8 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान इसमें 180 पैसे से अधिक की मजबूती आई। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप और कारोबारियों की ओर से डॉलर की खरीद के सौदे घटाने की भूमिका रही।" रुपये की मजबूती से आयातित सोने की लागत कम हुई, जिससे घरेलू बाजार में चार सत्रों के दौरान इसकी कीमत 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक गिर गई। यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई गिरावट से करीब पांच गुना ज्यादा थी। गर्ग ने कहा कि ब्याज दरों और आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताओं का चांदी पर ज्यादा असर पड़ा। इसकी कीमत में तेज गिरावट आई और बाद में यह करीब 2.11 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंची। उन्होंने कहा कि कारोबारियों पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता के मुकाबले रुपये की चाल का ज्यादा असर पड़ा।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस एवं मुद्रा शोध) प्रणव मेर ने कहा, " सोने और चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को सीमित दायरे में रहे, लेकिन पहले की बिकवाली के सौदे काटने और निचले स्तर पर खरीदारी के कारण इनमें तेजी का रुख रहा।" उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर कमजोर होने से सोने–चांदी को कुछ समर्थन मिला। महंगाई के आंकड़े उम्मीद से अधिक रहने के बावजूद कारोबारियों ने अक्टूबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका कम कर दी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों ने संकेत दिया कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) मौद्रिक नीति पर आगे कोई फैसला करने से पहले और आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर सकती है। मेर ने कहा, "इसके अलावा, हमें उम्मीद नहीं है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले ब्याज दरें बढ़ाएगा या भविष्य की मौद्रिक नीति को लेकर कोई नया संकेत देगा।" विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले सप्ताह में डॉलर की चाल, रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति से जुड़े घटनाक्रम और भू–राजनीतिक जोखिमों पर भी नजर रहेगी। कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव से मुद्रास्फीति की उम्मीदें प्रभावित हो सकती हैं और इसका असर सोने–चांदी की कीमतों के रुख पर पड़ सकता है।

गली की दुकान से 54 देशों का सफर : पंसारी सरसों तेल की कामयाबी की दास्तान

एजेंसी, नई दिल्ली। आपके जहन में ऐसे बहुत से पुराने ब्रांड्स होंगे, जिन्हें आपने यूज किया होगा। इनमें 555 साबुन, घड़ी डिटर्जेंट पाउडर आदि शामिल हैं। इन्हीं में से एक पंसारी तेल है। पंसारी तेल पंसारी ग्रुप का प्रोडक्ट है, जो अपने सरसों के तेल के लिए काफी फेमस है। मगर इसकी शुरुआत कई दशकों पहले हुई थी। आइए जानते हैं इसका दिलचस्प इतिहास। आज पंसारी ग्रुप एक बड़ा बिजनेस ग्रुप है, जिसके एमडी हैं शम्मी अग्रवाल। मगर इस ग्रुप की बुनियाद 1940 के दशक में रखी गयी थी, जब शम्मी के दादाजी ने राजस्थान के पोआटा में एक छोटी सी किराने की दुकान खोली। दुकान का नाम श्पंसारी की दुकानश रखा गया। अगले कुछ वर्षों में, अग्रवाल परिवार का प्रभाव बढ़ता गया। 1960 के दशक में शम्मी के दादा कोलकाता चले गए और धीरे–धीरे सरसों और तिल के थोक व्यापार में उतर गए। फिर 1962 में गोकुल चंद जी अग्रवाल ने कोलकाता में एक खाद्य तेल रिफाइनरी के साथ ग्रुप की शुरुआत की। 80 के दशक तक कारोबार ठीक चला, मगर फिर परिवार को एक बड़ा झटका लगा जब उनका तिल का कारोबार ठप हुआ।

भारी बारिश ने फसल को बर्बाद कर दिया। नतीजे में सप्लाई गिर गई और परिवार को बीजों के व्यापार में मौजूद जोखिम का एहसास हुआ। इसके बाद परिवार ने खाद्य तेल के बिजनेस में विस्तार किया। शम्मी के पिता कमल दिल्ली आए और एक फैक्ट्री लेकर सरसों का तेल बनाना शुरू कर दिया। उस समय कोई ब्रांड नहीं था, क्योंकि उनका ठ2ठ कारोबार मुख्य रूप से थोक व्यापार और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग पर केंद्रित था।

1990 अग्रवाल परिवार के कारोबार के लिए काफी खास रहा। उस साल उन्होंने कोलकाता में 4 तेल मिलें और नई दिल्ली में 1 तेल मिल खोलीं।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.: UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी

लोक हस्तक्षेप
वाराणसी, 19 अक्टूबर 2026 सोमवार

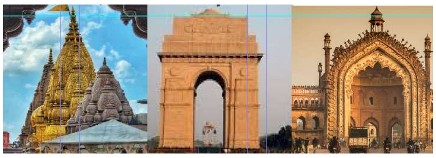

तीसरी बार सरकार बनाकर तो भाजपा ने हरियाणा की चुनौतियों से मुंहफेर लिया

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़ |हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार सरकार क्या बनाई प्रदेश की वास्तविक चुनौतियों से मुंहफेर लिया |तीसरी बार सरकार बना लेना ताल ठोकने के लिए कम नहीं था |अब सत्ता का नशा सिर चढ़कर बोलने लगा है |आलोचकों को जवाब देने के लिए अपनी राह को सुधारने के बजाय आलोचक को ही निशाना बनाने की रणनीति तीसरी बार की ताजपोशी से ही आई |हाल में तीसरी बार के मुख्यमंत्री ने अपने दो साल के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड आमजन के सामने रखा |इस रिपोर्ट कार्ड में हरियाणा के समक्ष पेश आ रही चुनौतियों का कोई जिक्र नहीं था |हरियाणा वासी रंगदारी वसूली का दंश झेल रहे है और आए दिन फायरिंग कर जीवन छीन लिया जाता है लेकिन रिपोर्ट कार्ड में इस पहलू पर कोई नजरसानी नहीं थी |बड़े बड़े कदम उठाने का दावा करने वाली यह सरकार ड्रग तस्करी पर रोक नहीं लगा पाई |ड्रग तस्कर अपनी करतूते लगातार जारी रखे हुए है |गाहे बगाहे पकड़े जाते है |तीसरे बार के मुख्यमंत्री

अब ड्रग तस्करी के लिए हरियाणा से ज्यादा पंजाब की चिंता करते है। हरियाणा में शिक्षकों के हजारों पद खाली है और स्कूल भवनों की हालत जर्जर है |बड़ी आलोचनाओं के बाद कमजोर स्कूल भवनों के पुनः निर्माण का फैसला किया गया है |सरकारी शिक्षा ढांचा कमजोर होता गया और तीसरी बारिया सरकार सत्ता सुख में उनींदी बनी रही |रिपोर्ट कार्ड की नजर इधर नहीं आई |दूसरी बारिया सरकार तो यूनिवर्सिटी में ही नर्सरी से पी एच डी तक पढ़ाने का मॉडल बताती थी लेकिन वह मॉडल तीसरी बारिया नशे में गुम हो गया |सालाना एक लाख रुपए से भी कम कमा पाने वाले परिवारों के बच्चों की पढ़ाई अब इस तीसरी बारिया सरकार ने ऊंची फीस वाले प्राइवेट स्कूलों के हवाले कर दिया |शिक्षा ढांचे में निजी व्यापारियों का प्रवेश कमजोर आर्थिक स्थिति वाले समुदाय को शिक्षा से वंचित करता ही दिखाई देता है।

सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी है |पिछले बारह साल से प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोल देने का वायदा अभी पूरा नहीं हुआ |सरकार चिकित्सकों की कमी दूर नहीं कर पा रही |घंटों के अनुबंध पर चिकित्सकों की सेवाएं लेने की योजनाओं पर विचार किया जाने लगा है |आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज करने वाले निजी अस्पताल समय पर भुगतान न मिलने से परेशान होकर पलायन कर रहे है।

दक्षिण हरियाणा की प्यासी धरती को रावी ब्यास नदियों के पानी का दशकों से इंतजार है |लेकिन इस तीन बारिया सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के रास्ता साफ कर देने के बाद भी टालमटोल का ही रवैया अपनाया है |सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2016 में ही सतलुज यमुना संपर्क नहर का निर्माण कर हरियाणा के हिस्से का नदी जल देने का आदेश दे दिया लेकिन डबल इंजन की सरकार ने पंजाब के साथ अदालत से बाहर समझौता कर समाधान निकालने की दलील देकर समाधान को खूंटी पर टांग दिया |तीसरी बारिया सरकार इसे खुटी से उतरना नहीं चाहती।

हरियाणा में पिछले बारह साल से ही खरीफ और रबी की फसलों के समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए किसान को भारी जद्दोजहद से गुजरना पड़ता है |फसल पहले आ जाती है और खरीद की शुरुआत कम से कम पंद्रह दिन बाद होती है |डबल इंजन सरकार का कोई फायदा यहां किसान को नहीं मिलता |खरीद शुरू होने के बाद भी हफ्तों इंतजार करना पड़ता है |रोड जाम करना पड़ता है और लाठिया झेलनी पड़ती है। धान घोटाला भी लगातार होता रहा है |अधिकारियों पर कार्रवाई किया जाना मजबूरी बन गया है |खेतों में जलभराव और सड़को का नदी में बदलने की त्रासदी पिछले बारह साल से अनवरत जारी है |वर्षाकाल बीत गया हाल में पलवल में जल निकासी के लिए ड्रेनेज प्रोजेक्ट मंजूर किया गया है |घग्गर और टांगरी जैसी नदियों के कमजोर तटबंध बाढ़ को आमंत्रित करते है। सिल्ट जमा होने से नदियों की वर्षाजल ग्रहण करने की क्षमता घट गई और वे जल्दी ही उफन जाती है |हर साल बाढ़ नियंत्रण के लिए मंत्री अधिकारियों की बैठक आयोजित करते है लेकिन समाधान कहीं नजर नहीं आया।

जन चेतना मंच वेलफेयर सोसायटी ने द्वितीय भगवती जागरण का किया आयोजन

लोकेश कुमार

गुरुग्राम । सामाजिक संस्था जन चेतना मंच वेलफेयर सोसायटी द्वारा सरस्वती एंक्लेव के बी ब्लॉक क्षेत्र में द्वितीय विशाल माँ भगवती जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजनों ने शिरकत की, जिससे पूरा परिसर माँ भगवती के जयकारों और सुरीले भजनों से गूंज उठा। जागरण में भजन गायकों ने माँ भगवती, माँ दुर्गा और माँ वैष्णो देवी की महिमा का गुणगान किया। भजनों की धुनों पर श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। सोसायटी के अध्यक्ष अनिल पवार और महासचिव मास्टर शशि कुमार ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य धार्मिक जागरूकता के साथ–साथ समाज सेवा और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना है। माँ भगवती जागरण का यह आयोजन इसी श्रृंखला का हिस्सा है और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे। आयोजन में नगर निगम पार्षद महावीर यादव, अवनीश राघव,

आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष हरिओम प्रधान, पूर्वांचल संगठन के अध्यक्ष ताल किशोर, डा. वीरेंद्र नैन, नरेश सौलंकी, बलवीर नागर, कशिश कौशिक व ईश्वर सरपंच आदि मौजूद रहे |आयोजन को सफल बनाने में संस्था के श्रीकांत, जनार्दन, सुबोध, अनिल कुमार वर्मा, अनिल कुमार, मनोज कुमार, जगदीश चौहान, शोभाराम, बाबा गिरी, मनीष कुमार, वेद, अंकित, नीलम पवार, श्वेता पवार, सुंदरी, रजनी, कमलेश, गायत्री, हिमांशु पवार, चंदन, सौरभ, दीपक, राजरानी, गौरव, विपिन और मास्टर राजेश आदि का सहयोग रहा।

नो एंट्री में बाइक निकालने पर दरोगा से भिड़ा युवक

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में उरई में नो एंट्री में बाइक निकालने पर एक युवक की यातायात पुलिस के दरोगा से बहस हो गई। युवक ने सवाल उठाया कि जब दूसरे बाइक सवार भी नो एंट्री से निकल रहे हैं, तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

विवाद बढ़ने पर मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान युवक की मां ने उसे शांत करने के लिए चप्पल उठा ली। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गोहन क्षेत्र का मोहित यादव अपनी मां के साथ उरई आया था। शनिवार शाम करीब 5 बजे वह शहीद भगत सिंह चौराहे से नो एंट्री में बाइक निकाल रहा था। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसकी बाइक रोककर चालान कर दिया। मोहित ने सवाल उठाया कि जब दूसरे बाइक सवार भी नो एंट्री से निकल रहे हैं, तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। इसी बात को लेकर मोहित और दरोगा के बीच कहासुनी बढ़ गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। विवाद बढ़ता देख मोहित की मां ने उसे शांत करने की कोशिश की। जब वह नहीं माना, तो मां ने चप्पल उठाकर उसे मारने का इशारा किया।

सरकारी अस्पताल के निर्माण की मांग को लेकर कुलदीप कटारिया के नेतृत्व में माता शीतला के दरबार में लगाई अर्जी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, गुरुग्राम । मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप कटारिया ने अपनी शहरी कार्यकारिणी और वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर माता शीतला के दरबार में हाजिरी लगाई और गुरुग्राम में जल्द सरकारी अस्पताल के निर्माण की गुहार लगाते हुए माता को अर्जी सौंपी। इस दौरान कुलदीप कटारिया ने भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे हरियाणा के बराबर टैक्स देने के बावजूद गुरुग्राम के लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। शहर की करीब नौ लाख की आबादी होने के बावजूद आज गुरुग्राम शहर में एक भी बड़ा सरकारी अस्पताल नहीं है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के निर्माण को

लेकर अब भाजपा के मंत्री और विधायक भी आपस में उलझ चुके हैं और जनता को केवल झूठे आश्वासन मिल रहे हैं, जिससे लोगों का मोहभंग हो चुका है। कटारिया ने कहा कि गुरुग्राम में विकास के नाम पर केवल रुकावटें आई हैं। सेक्टर–10 का एकमात्र सरकारी अस्पताल भी इनेलो शासनकाल में ही बनाया गया था। इसके अलावा सेक्टर–9 कॉलेज, लॉ कॉलेज, देवीलाल स्टेडियम, मिनी सचिवालय और साइबर सिटी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स इनेलो सरकार की देन हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस आपसी गुटबाजी में व्यस्त है, ऐसे में केवल इनेलो ही गुरुग्राम की मूलभूत सुविधाओं के लिए मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मनोज दहिया, शहरी जिला उपाध्यक्ष राजकुमार, युवा जिला अध्यक्ष गौरव भाटी, शहरी जिला सचिव दीपक पिलानिया, अमित कटारिया, विकास किराड़, अत्तर सिंह और प्रवीण कुमार समेत कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।